▪ पौष कृष्ण - 12 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 153 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 27-12-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 सिख गुरुओं की प्रेरणा से बढ़ेंगे तो काबुल-बांग्लादेश होने से बच पाएंगे : योगी आदित्यनाथ

6 कर्मचारियों की कमी से जूझती शासन व्यवस्था

7 विनिर्माण में देश की अर्थव्यवस्था को बदल देने की क्षमता : चंद्रशेखरन

फर्स्ट टेक

सात दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने बृहस्पतिवार को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर सात दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी है। उनके मुताबिक डॉ. मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि शुक्रवार को होने वाले सभी सरकारी कार्यक्रमों को रद्द कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक होगी, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। भारत के आर्थिक सुधारों के जनक मनमोहन सिंह का 92 साल की उम्र में बृहस्पतिवार रात निधन हो गया। वह 2004-14 के दौरान भारत के प्रधानमंत्री थे।

शाह का तमिलनाडु दौरा रद्द

चेन्नई/एजेन्सी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता, पार्टी के राजनीतिक एवं चुनावी रणनीतिकार और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का शुक्रवार से प्रस्तावित तमिलनाडु के दो दिवसीय दौरे को रद्द कर दिया गया है और जल्द ही नई तारीखों की घोषणा की जाएगी। भाजपा सूत्रों ने गुरुवार को यूनीवार्ता को बताया कि शाह का कल का दौरा रद्द कर दिया गया है। उनके इस साल के अंत में 30 और 31 दिसंबर या जनवरी 2025 के पहले सप्ताह में आने की संभावना है और तारीखों की घोषणा जल्द ही की जाएगी। सूत्रों ने कहा कि शाह पहले आज तमिलनाडु आने वाले थे, लेकिन इसे कल के लिए टाल दिया गया, जिसे अब रद्द कर दिया गया है। भाजपा की तमिलनाडु इकाई ने उनके दौरे के लिए दो और कार्यक्रम दिए हैं। पहला इस साल के अंत में संभवतः 30 और 31 दिसंबर को और दूसरा जनवरी 2025 के पहले सप्ताह में। सूत्रों ने कहा, पुष्टि मिलने के बाद, नई तारीखों की घोषणा जल्द ही की जाएगी।

ओडिशा के मुख्यमंत्री ने भगवान जगन्नाथ के कैलेंडर जारी किए

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन द्वारा प्रकाशित कैलेंडर बृहस्पतिवार को जारी किए। भगवान जगन्नाथ की तस्वीरों वाले कैलेंडर यहां एक सादे समारोह में जारी किए गए। इस समारोह में कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन, मुख्य सचिव मनोज अगुजा, श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के मुख्य प्रशासक अरबिंद पाधी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। कैलेंडर में राज्य के विभिन्न कलाकारों द्वारा बनाए गए चित्र और रेत कलाकृतियां प्रदर्शित हैं। कैलेंडर एक जनवरी, 2025 से पुरी और भुवनेश्वर में मंदिर सूचना केंद्रों पर बिक्री के लिए उपलब्ध होंगे।

सूर्यास्त 27-12-2024 6:02 बजे | सूर्योदय 28-12-2024 6:40 बजे

BSE	NSE
78,472.48	23,750.20
(-0.39)	(+22.55)

सोना	चांदी
8,014 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	91,295 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

आत्ममुग्ध

अब आत्म मुग्धता प्रवंचना का,
कैसा है यह अजब दौर।
खुद को सब समझे साहुकार,
दूजों को कहते चोर-चोर।
वादे इनके तो हैं सपने,
उनकी बातें हैं सिर्फ शोर।
सच तो होता सूरज जैसा,
जनता करती है सदा गौर।।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आर्थिक सुधारों के प्रणेता पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का बृहस्पतिवार रात यहां निधन हो गया। वह 92 वर्ष के थे।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) दिल्ली ने सिंह के निधन की घोषणा की। उन्हें गंभीर हालत में रात करीब साढ़े आठ बजे आपातकालीन वार्ड में भर्ती कराया गया था।

एम्स ने एक बुलेटिन में कहा कि 26 दिसंबर को ''उनका आयु संबंधी चिकित्सा उपचार जारी था और वह घर पर अचानक बेहोश हो गए।'' बुलेटिन में कहा गया, ''उन्हें घर पर तत्काल होश में लाने के प्रयास किए गए। उन्हें रात आठ बजकर छह मिनट पर दिल्ली एम्स लाया गया। तमाम प्रयासों के बावजूद उन्हें होश में नहीं लाया जा सका और रात 9.51 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।''

सिंह ने भारत के 14वें प्रधानमंत्री के रूप में वर्ष 2004 से 2014 तक 10 वर्षों तक देश का नेतृत्व किया। पिछले कुछ माह से उनका स्वास्थ्य खराब था।

उनके परिवार में पत्नी गुरचरण सिंह और तीन बेटियां हैं। उनके अस्पताल में भर्ती होने की खबर मिलते ही कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा और सोनिया गांधी अस्पताल पहुंचीं।

आर्थिक नीति पर गहरी छाप छोड़ी : मोदी

''भारत अपने सबसे प्रतिष्ठित नेताओं में से एक डॉ. मनमोहन सिंह जी के निधन पर शोकाकुल है। साधारण परिवार से उठकर वह एक प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री बने। उन्होंने वित्त मंत्री समेत विभिन्न सरकारी पदों पर कार्य किया और वर्षों तक हमारी आर्थिक नीति पर एक गहरी छाप छोड़ी। संसद में उनका हस्तक्षेप भी व्यावहारिक था। हमारे प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए व्यापक प्रयास किए।''

उन्हें हमेशा याद किया जाएगा : मुर्मू

''पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी उन चुनिंदा राजनेताओं में से एक थे, जिन्होंने शिक्षा और प्रशासन की दुनिया में भी समान सहजता से काम किया। सार्वजनिक पदों पर अपनी विभिन्न भूमिकाओं में उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था में सुधार के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। सिंह को राष्ट्र के प्रति उनकी सेवा, उनके बेदाग राजनीतिक जीवन और उनकी अत्यंत विनम्रता के लिए हमेशा याद किया जाएगा।''

मैंने अपना मार्गदर्शक खो दिया : राहुल

''मनमोहन सिंह जी ने असीम बुद्धिमत्ता और निष्ठा के साथ भारत का नेतृत्व किया। उनकी विनम्रता और अर्थशास्त्र की गहरी समझ ने देश को प्रेरित किया। श्रीमती कौर और परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदना। मैंने एक संरक्षक और मार्गदर्शक खो दिया है। हममें से लाखों लोग जो उनके प्रशंसक थे, उन्हें अत्यंत गर्व के साथ याद करेंगे।''

दयालुता के साथ मूल्यांकन करेगा इतिहास : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर बृहस्पतिवार को शोक जताया और कहा कि निश्चित तौर पर इतिहास दयालुता के साथ उनका मूल्यांकन करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि भारत ने एक दूरदर्शी राजनेता, बेदाग नेता और अद्वितीय अर्थशास्त्री खो दिया है।

युवाओं को उभरती प्रौद्योगिकियों में कुशल बनाने का मोदी ने किया आह्वान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को देश की प्रगति में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए उन्हें कृत्रिम मेधा (एआई) व मशीन लर्निंग जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों में कौशल प्रदान करने के लिए भविष्योन्मुखी दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया। वीर बाल दिवस पर आयोजित एक कार्यक्रम में मोदी ने विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से हो रहे बदलावों और चुनौतियों के अनुरूप खुद को ढालने की जरूरत पर जोर दिया और सरकार की युवाओं पर केंद्रित नीतियों का उल्लेख किया। संविधान लागू हुए 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर मोदी ने कहा कि संविधान का समानता का सिद्धांत उन गुरुओं की शिक्षाओं के अनुरूप है, जिन्होंने सभी के कल्याण का समर्थन किया।

मोदी ने कहा कि उनकी सरकार प्रतिभाशाली युवाओं को समर्थन व प्रोत्साहन देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, यह युग मशीनों से आगे बढ़कर मशीन लर्निंग तक पहुंच गया है। एआई केंद्र में आ गया है और हम देख सकते हैं कि इसका अनुप्रयोग पारंपरिक सॉफ्टवेयर की जगह ले रहा है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए हमारे युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करना आवश्यक है। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों को सर्वश्रेष्ठ बनाने की दिशा में काम करें, चाहे वह रेलवे हो, सेमीकंडक्टर हो, यात्रा हो या खगोल विज्ञान का क्षेत्र हो।

मोदी ने गुरु गोविंद सिंह के पुत्रों, साहिबजादों के अद्वितीय बलिदान को याद किया और कहा कि उन्होंने मुगल साम्राज्य के उत्पीड़न के आगे समर्पण करने के बजाय अटूट साहस और विश्वास को चुना। वीर बाल दिवस एक स्थायी सबक सिखाता है कि चाहे परिस्थितियां कितनी भी प्रतिकूल क्यों न हों।

आतंकवादी समूहों की मदद करने का आरोपी हिरासत में लिया गया

जम्मू/भाषा। जम्मू कश्मीर के उधमपुर जिले में आतंकवादी समूहों को रसद मुहैया कराने के आरोप में बृहस्पतिवार को आतंकवादियों के एक सहयोगी को जन सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत हिरासत में लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि जिले में आतंकवाद समर्थकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक अभियान चलाया और एक आतंकवादी सहयोगी को पीएसए के तहत हिरासत में लिया। आरोपी की पहचान अब्दुल कयूम उर्फ बिट्टू के रूप में हुई है। वह बसंतगढ़ के कदवाह का रहने वाला है और उसे जेल भेज दिया गया।

सरकारी नियंत्रण से

हिंदू मंदिरों को मुक्त कराने के लिए देशव्यापी अभियान चलायेगी विहिप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह हिंदू मंदिरों को राज्यों की सरकारों के नियंत्रण से मुक्त कराने के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू करेगी। इस अभियान की शुरुआत पांच जनवरी को आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा शहर में एक जन जागरूकता कार्यक्रम से होगी।

विहिप के संगठन महासचिव मिलिंद परांडे ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि समुदाय के सदस्यों द्वारा हिंदू मंदिरों के प्रशासन और प्रबंधन के लिए एक मसौदा कानून पहले ही तैयार किया जा चुका है। उन्होंने कहा, ''मैंने कुछ दिन पहले आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को उनके विचारार्थ मसौदे की एक प्रति दी थी।''

परांडे ने कहा कि मसौदा कानून एक 'थिंक टैंक' द्वारा तैयार किया गया है जिसमें उच्च न्यायालयों के कुछ सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश, उच्चतम न्यायालय के वकील, धार्मिक नेता और विहिप कार्यकर्ता शामिल हैं। उन्होंने कहा, ''हम पिछले 2-3 वर्षों से इस संबंध में काम कर रहे थे और मसौदा तैयार करने के लिए एक 'थिंक टैंक' का गठन किया गया था।''

ब्रिटिश शासकों ने भारत के इतिहास को विकृत किया : मोहन भागवत

> सबसे बड़ा झूठ यह था कि भारत में ज़्यादातर लोग बाहर से आए थे। ऐसा ही एक झूठ यह है कि भारत पर आर्यों ने आक्रमण किया था जिन्होंने द्रविड़ों से लड़ाई की थी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

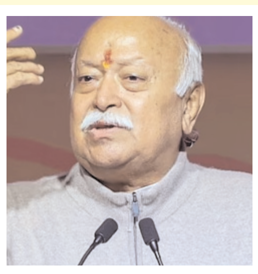

नागपुर/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत के ब्रिटिश शासकों ने यह संदेश फैलाने के लिए देश के इतिहास को विकृत किया कि स्थानीय आबादी खुद पर शासन करने के लिए अयोग्य है।

भागवत ने कहा, ''1857 में, भारत के ब्रिटिश शासकों को एहसास हुआ कि असंख्य जातियों, संप्रदायों, भाषाओं, भौगोलिक असमानताओं और भारतीयों के आपस में लड़ने के बावजूद वे तब तक एकजुट रहेंगे जब तक कि वे विदेशी आक्रमणकारियों को देश से बाहर नहीं निकाल देते।''

वह नागपुर में सोमलवार एजुकेशन सोसाइटी के 70वें स्थापना दिवस के अवसर पर 21वीं सदी में शिक्षकों की भूमिका पर एक कार्यक्रम में बोल रहे थे।

आरएसएस प्रमुख ने कहा, ''ब्रिटिश शासकों ने कुछ ऐसा करने का निर्णय लिया जिससे भारतीयों की यह विशेषता समाप्त हो जाए और यह सुनिश्चित हो जाए कि ब्रिटिश शासन हमेशा के लिए बना रहे। उनका उद्देश्य भारतीयों के मन से उनके इतिहास, पूर्वजों और गौरवपूर्ण विरासत को भुला देना था। इस उद्देश्य के लिए, अंग्रेजों ने तथ्यों की आड़ में हमारे दिमाग में कई झूठ डाल दिए।'' भागवत ने कहा, सबसे बड़ा झूठ यह था कि भारत में ज़्यादातर लोग बाहर से आए थे। ऐसा ही एक झूठ यह है कि भारत पर आर्यों ने आक्रमण किया था जिन्होंने द्रविड़ों से लड़ाई की थी। उन्होंने प्रचार किया कि खुद शासन करना भारतीयों के खून में नहीं है और यहां के लोग धर्मशालाओं में रहने वालों की तरह रहते हैं।

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि 21वीं सदी में कृत्रिम मेधा (एआई) के युग में भी शिक्षक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान पीढ़ी प्रौद्योगिकी के कारण बहुत सारे ज्ञान से अवगत है, लेकिन शिक्षक जीवन बदल सकते हैं।

रघुपति राघव राजा राम को लेकर भाजपा और कांग्रेस-राजद में तकरार

पटना/भाषा। बिहार में लोकप्रिय भजन रघुपति राघव राजा राम के गायन के दौरान एक महिला गायिका को परेशान करने के मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और विपक्षी राष्ट्रीय जनता दल (राजद)-कांग्रेस गठबंधन ने बृहस्पतिवार को एक-दूसरे पर आरोप लगाए। विपक्षी दलों ने आरोप लगाया कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर आयोजित एक समारोह में बुधवार को हुई घटना भाजपा द्वारा पोषित महिला द्वेष और महात्मा गांधी के प्रति घृणा को दर्शाती है। भाजपा ने पलटवार करते हुए दावा किया कि उसे संदेह है कि राजद कार्यकर्ता व्यवधान पैदा करने के इरादे से सभागार में घुसे थे। सोशल मीडिया पर वायरल हुए इस घटना के एक वीडियो में गायिका को ईश्वर अल्लाह तेरो नाम का श्लोक गाते समय उग्र हो गई भीड़ से माफी मांगते हुए देखा जा सकता है।

सरकार 2026 की शुरुआत में गहरे समुद्र में मानव भेजने की योजना बना रही है : जितेंद्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जितेंद्र सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि केंद्र गहरे समुद्र में मानव भेजने की योजना बना रहा है और यह अभियान 2026 की शुरुआत में मानव अंतरिक्ष मिशन के साथ ही होने की संभावना है। वर्ष 2004 में हिंद महासागर में आई सुनामी की 20वीं बरसी से संबंधित कार्यक्रम को भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (आईएनसीओआईएस) में संबोधित करते हुए सिंह ने याद दिलाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में गहरे समुद्र मिशन का उल्लेख किया था।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, हम मानव को गहरे समुद्र में भेजने की योजना बना रहे हैं। मैं रविचंद्रन (सचिव, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय) से कह रहा था कि यह एक अजीब संयोग होगा कि एक मानव अंतरिक्ष में और दूसरा गहरे समुद्र में भेजा जाएगा। यह लगभग एक साथ होगा। उन्होंने कहा कि मानव अंतरिक्ष मिशन, जो पहले 2025 के लिए निर्धारित था, संभवतः अगले वर्ष नहीं होगा, बल्कि अब इसके 2026 की शुरुआत में होने की उम्मीद है।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने टॉलीवुड की हस्तियों से कहा- कानून-व्यवस्था से कोई समझौता मंजूर नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बृहस्पतिवार को यहां तेलुगु सिनेमा के वरिष्ठ अभिनेताओं और निर्देशकों के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के दौरान कहा कि राज्य में कानून–व्यवस्था से कोई समझौता नहीं होना चाहिए और फिल्म बिरादरी समेत सभी पर यह बात लागू होती है। मुख्यमंत्री ने प्रसिद्ध निर्माता और तेलंगाना फिल्म विकास निगम (एफडीसी) के अध्यक्ष वेंकट रमण रेड्डी के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल से कहा कि फिल्म उद्योग की समस्याओं के समाधान के लिए एक मंत्रिमंडल उप–समिति गठित की जाएगी। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को एक आंतरिक समिति गठित करने का सुझाव भी दिया। मुख्यमंत्री और फिल्मी हस्तियों के बीच यहां पुलिस एकीकृत कमान नियंत्रण केंद्र में बैठक हुई।

यह बैठक अभिनेता अल्लू अर्जुन की हाल में गिरफ्तारी के मद्देनजर हुई है। अर्जुन के खिलाफ पुलिस कार्रवाई के बाद कांग्रेस नीत राज्य सरकार और सिनेमा उद्योग के बीच संबंधों में तनाव की अटकलें लगाई जा रही थीं। यहां संध्या थिएटर में चार दिसंबर को अर्जुन की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'पुष्पा 2' की स्क्रीनिंग के दौरान मची भगदड़ में

35 वर्षीय महिला की मौत हो गई थी, जिसके बाद 13 दिसंबर को अर्जुन को गिरफ्तार कर लिया गया और फिर रिहा कर दिया गया। प्रतिनिधिमंडल में अभिनेता नागार्जुन, वेंकटेश व मुरली मोहन, निर्देशक त्रिविक्रम श्रीनिवास, के. राघवेंद्र राव, निर्माता दग्गुबती सुरेश, अल्लू अरविंद (अल्लू अर्जुन के पिता) और सी. कल्याण शामिल थे। आधिकारिक सूत्रों ने मुख्यमंत्री के हवाले से कहा, मुख्यमंत्री के तौर पर कानून लागू करना मेरी जिम्मेदारी है। मेरी कोई व्यक्तिगत प्राथमिकता नहीं है। सूत्रों के अनुसार रेड्डी ने सभी से फिल्म उद्योग को केवल तेलुगु तक सीमित न रखते हुए मिलकर आगे बढ़ाने का आग्रह किया। प्रतिनिधिमंडल के कुछ सदस्यों के अनुसार, बैठक के दौरान अल्लू अर्जुन मामले पर चर्चा नहीं हुई। हालांकि, बातचीत के बारे में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा, सरकार फिल्म उद्योग को हरसंभव सहायता देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि सिनेमा उद्योग सरकार के लिए सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और फार्मा क्षेत्र जितना ही महत्वपूर्ण है। रेड्डी ने कहा कि फिल्म उद्योग की समस्याओं के समाधान के लिए मंत्रिमंडल उप–समिति गठित की जाएगी और सरकार अन्य फिल्म उद्योगों को शहर में आने के लिए प्रोत्साहित करने के सिलसिले में एक बड़ा सम्मेलन आयोजित करने पर भी विचार कर रही है। सूत्रों ने मुख्यमंत्री के हवाले से बताया, हम (तेलुगु फिल्म) उद्योग को अगले स्तर पर ले जाना चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि फिल्म उद्योग को अपनी सामाजिक जिम्मेदारी को याद रखना चाहिए और मादक पदार्थ तथा अन्य सामाजिक समस्याओं पर अंकुश लगाने के प्रयासों में शामिल होना चाहिए। दिल राजू के नाम से मशहूर वेंकट रमना रेड्डी ने कहा कि तेलुगु फिल्मों के अलावा हिंदी, तमिल और कन्नड़ समेत अन्य भाषाओं की फिल्मों की शूटिंग भी शहर में हो रही है। विशेष अवसरों पर टिकट की कीमत बढ़ाने की अनुमति देने के बारे में सरकार के रुख के बारे में पूछे जाने पर दिल राजू ने पत्रकारों से कहा कि ये मुद्दे का केवल एक छोटा सा हिस्सा है और बड़ा दृष्टिकोण यह है कि तेलुगु सिनेमा को अंतराष्ट्रीय स्तर पर कैसे ले जाया जाए और हैदराबाद शहर को अंतराष्ट्रीय केंद्र कैसे बनाया जाए। उन्होंने कहा, समय आने पर इन सब बातों के बारे में जानकारी दी जाएगी।

प्रतिनिधिमंडल में शामिल निर्माता दग्गुबती सुरेश ने संपर्क किए जाने पर बताया कि फिल्म रिलीज के शुरुआती दिनों में लाभकारी शो और टिकट की कीमतों में बढ़ोतरी की अनुमति सभी फिल्म निर्माताओं के लिए जरूरी नहीं है, बल्कि कुछ प्रोडक्शन हाउस के लिए आवश्यक है। बैठक में शामिल हुए एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि बैठक में पुष्पा 2 की स्क्रीनिंग के दौरान थियेटर में हुई घटना पर चर्चा नहीं हुई। बैठक के बारे में प्रतिक्रिया देते हुए बीआरएस के विधायक टी हरीश राव ने कहा कि राज्य की जनता और फिल्म उद्योग के लोग देख रहे हैं कि क्या हो रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के भतीजे हरीश राव ने कहा, आपको स्नेह से दिल जीतना चाहिए, न कि डरा–धमकाकर। सभी को राज्य के लिए अच्छा सोचना चाहिए।

शंभू पंचअग्नि अखाड़े का महाकुंभ क्षेत्र में हुआ भव्य प्रवेश

महाकुंभनगर/भाषा। संन्यासियों के तीसरे अखाड़े श्री शंभू पंचदशनाम अग्नि अखाड़े ने बाजे–गाजे के साथ महाकुम्भ नगर में बृहस्पतिवार को छावनी क्षेत्र में प्रवेश किया। शहर के बीच से गुजरी इस भव्य छावनी प्रवेश यात्रा का स्थानीय लोगों ने जगह–जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। अनंत माधव स्थित अग्नि अखाड़े के स्थानीय मुख्यालय से आरम्भ हुई इस छावनी प्रवेश यात्रा में वैदिक संस्कृति और प्रतीकों की झलक देखने को मिली। शंख ध्वनि और डमरू की थाप पर वैदिक मंत्रोच्चार ने यात्रा में वैदिक युग की अनुभूति प्रदान की। घोड़े और ऊंट के काफिले पर सवार संतों के दर्शन के लिए पूरा शहर उमड़ पड़ा।

अग्नि अखाड़े के राष्ट्रीय महामंत्री सोमेश्वरानंद ब्रह्मचारी ने बताया कि प्रवेश यात्रा में पांच महामंडलेश्वर और आचार्य महामंडलेश्वर के अलावा अखाड़े के हजारों संत और वेद विद्यार्थी शामिल हुए। अग्नि अखाड़े की छावनी प्रवेश यात्रा अब तक संपन्न हुई सभी अखाड़ों की छावनी प्रवेश यात्रा में सबसे लंबी थी। चौफटका के अनंत माधव मंदिर से छावनी क्षेत्र पहुंची संतों की इस यात्रा ने 13 किलोमीटर का सफर तय किया। इस यात्रा में आधा दर्जन ऊंट, 15 घोड़े, 60 रथ की व्यवस्था की गई थी। अग्नि अखाड़े की प्रवेश यात्रा का एक तिहाई मार्ग शहर पश्चिमी में पड़ा जहां कभी माफिया अतीक अहमद का आतंक था और इस तरह की भव्य शोभा यात्राओं का आयोजन लोगों के लिए एक दिवास्वप्न होता था। जिस समय यह यात्रा उस इलाके से गुजरी, स्थानीय लोगों ने गुलाब की पंखुड़ियों से पूरे मार्ग को पाट दिया। स्थानीय नागरिक पूरन जायसवाल ने कहा कि पूज्य संतों की इस भव्य यात्रा के दर्शन दशकों बाद हुए हैं।

अस्पताल के सुरक्षाकर्मी की हत्या मामले में दूसरा आरोपी लातूर से गिरफ्तार

लातूर/भाषा। महाराष्ट्र के लातूर शहर में एक अस्पताल के सुरक्षाकर्मी की हत्या के मामले में बुधवार और बृहस्पतिवार की मध्य रात्रि में एक फरार आरोपी को गिरफ्तार किया गया जिसके बाद इस मामले में गिरफ्तार लोगों की संख्या दो हो गई है। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आइकॉन अस्पताल के सुरक्षाकर्मी बालू भारत डोंगरे (35) की 11 दिसंबर को बुरी तरह पिटाई के बाद मौत हो गई थी।

उन्होंने बताया कि इसके बाद अस्पताल के मालिक डॉ. प्रमोद घुगे और उनके भतीजे अनिकेत मुंडे के खिलाफ शिवाजी नगर पुलिस थाने में हत्या का मामला दर्ज किया गया था। निरीक्षक दिलीप सागर ने 'पीटीआई भाषा' को बताया, अनिकेत मुंडे को बुधवार और बृहस्पतिवार की मध्य रात्रि में एक गुप्त सूचना के आधार पर हिरासत में लिया गया, वह पिछले एक पखवाड़े से फरार था। डॉ. घुगे को सोमवार को हरिद्वार के एक आश्रम से हिरासत में लिया गया। दोनों आरोपियों को 30 दिसंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है।

'आप' ने चुनाव से पहले पैसे बांटने के आरोप में भाजपा नेताओं के खिलाफ ईडी को शिकायत सौंपी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले लोगों को नकदी बांटने के आरोप में भाजपा के दो नेताओं के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को बृहस्पतिवार को एक शिकायत सौंपी। सिंह ने ईडी पर निशाना साधा जब वे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व सांसद प्रवेश वर्मा और पूर्व विधायक मनजिंदर सिंह सिरसा के खिलाफ शिकायत देने के लिए एजेंसी के अधिकारियों से नहीं मिल पाये।

सिंह ने कहा कि उन्होंने 'आप' की ओर से शिकायत देने के लिए शाम चार बजे ईडी अधिकारियों से मिलने के लिए एक ईमेल भेजकर समय मांगा था। उन्होंने कहा कि एजेंसी ने आप' की शिकायत तो प्राप्त की गई, लेकिन उसके अधिकारियों ने पार्टी के प्रतिनिधिमंडल से नहीं मिले।

'आप' नेताओं ने पत्रकारों से कहा, आप संयोजक अरविंद केजरीवाल के

निर्वाचन क्षेत्र में (बुधवार को) मतदाताओं को 11–11 सौ रुपये खुलेआम रिश्वत के रूप में दिए गए। यदि ईडी पूर्व सांसद वर्मा के आवास पर छापा मारे तो करोड़ों रुपये बरामद होंगे।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल 2013 से विधानसभा में नयी दिल्ली सीट का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, वह अगले वर्ष में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए इस निर्वाचन क्षेत्र से आप' के उम्मीदवार हैं। दिल्ली में विधानसभा चुनाव अगले वर्ष फरवरी में होने की संभावना है। सिंह ने इसको लेकर अफसोस जताया कि ईडी के अधिकारियों ने उनसे मिलने से इनकार कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया, हर मामले में बेहद सक्रिय रहने वाली ईडी के पास आप नेताओं से मिलने का समय नहीं है। इसका मतलब यह है कि यह (ईडी) केवल सत्तारूढ़ पार्टी के आदेश पर काम करने वाली एजेंसी के रूप में काम करती है, ताकि सरकारों को गिराया जा सके और मुख्यमंत्रियों सहित विपक्षी नेताओं को गिरफ्तार किया जा सके।

सिंह ने कहा कि वह भाजपा नेताओं के खिलाफ शिकायत देने के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई), आयकर विभाग और निर्वाचन आयोग (ईसी) से भी मिलने का प्रयास करेंगे।

दूसरी ओर, वर्मा ने कहा कि उनके पिता और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा द्वारा स्थापित सामाजिक संगठन 'राष्ट्रीय स्वाभिमान' ने महिलाओं को पैसे दिए थे। भारतीय जनता पार्टी नेता वर्मा ने कहा कि वह चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता लागू होने तक जरूरतमंद महिलाओं की मदद करते रहेंगे। सिंह ने यह आरोप भी लगाया कि भारतीय जनता पार्टी के एक अन्य नेता सिरसा भी अपने क्षेत्र में नकदी बांट रहे हैं।

गुजरात सड़क दुर्घटना : तीन ट्रकों में आग लगने से दो लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात के अहमदाबाद जिले में बृहस्पतिवार तड़के ट्रकों की टक्कर के बाद भीषण आग लगने से दो लोगों की मौत हो गई जबकि दो लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि जिला मुख्यालय से लगभग 50 किलोमीटर दूर बागोदरा गांव के निकट राष्ट्रीय राजमार्ग 47 पर देर रात करीब दो बजे हुई दुर्घटना में चार ट्रक शामिल थे। पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश जाट ने बताया कि जिस ट्रक की वजह से दुर्घटना हुई, उसमें सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि अन्य ट्रकों में सवार दो लोग घायल हो गए, जिन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

उन्होंने बताया कि पैकिंग सामग्री के रोल लेकर एक ट्रक राजकोट से अहमदाबाद की ओर आ रहा था, जबकि चावल से लदे दो ट्रक राजकोट की ओर जा रहे थे। राजकोट जाने वाले उन दो ट्रकों के पीछे एक खाली ट्रक था। पुलिस अधिकारी ने बताया, राजकोट से आ रहे ट्रक के ड्राइवर ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और वह डिवाइडर फांदकर आने वाली लेन में दो अन्य ट्रकों से टकरा गया। इसके बाद सीमेंट से भरा ट्रक तीनों ट्रकों से टकरा गया। जाट ने बताया कि दुर्घटना के तुरंत बाद आग लग गई और पैकिंग सामग्री के कारण यह तेजी से फैल गई। एसपी ने कहा, आग में तीन ट्रक जलकर खाक हो गए, जबकि खाली ट्रक को कोई नुकसान नहीं हुआ। राजकोट से आ रहे ट्रक के चालक और उस पर सवार एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई। आग के कारण राजमार्ग करीब आधे घंटे तक बंद रहा। स्थानीय पुलिस द्वारा मलबा हटाने और सड़क को साफ करने के बाद यातायात फिर से शुरू हुआ।

हैदराबाद में अल्लू अर्जुन के घर पर तोड़फोड़ मामलें में

पीएचडी, एमए के छात्रों सहित छह आरोपी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलुगु अभिनेता अल्लू अर्जुन के आवास में कथित रूप से जबरन घुसने और तोड़फोड़ करने के आरोप में गिरफ्तार किए गए छह लोग पीएचडी, स्नातकोत्तर (एमए) और अन्य पाठ्यक्रम के छात्र हैं।

इन लोगों ने उस्मानिया विश्वविद्यालय – संयुक्त कार्रवाई समिति (ओयू–जेएसी) के सदस्य होने का दावा किया और उन्होंने कथित तौर पर 22 दिसंबर की शाम को अर्जुन के घर पर गमलों को क्षतिग्रस्त किया और टमाटर फेंके। वे 'पुष्पा–2' की स्क्रीनिंग के दौरान मची भगदड़ में मारी गई महिला के लिए न्याय की मांग कर रहे थे। रिमांड रिपोर्ट में पुलिस ने कहा कि आरोपी अर्जुन के घर गए, जबरन परिसर में घुस गए, सुरक्षा कर्मचारियों के साथ मारपीट की और संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। रिपोर्ट के अनुसार, इनमें से दो लोग पीएचडी कर रहे हैं जबकि दो अन्य एमए के छात्र हैं। इसमें कहा गया है कि आरोपियों में से तीन ओयू–जेएसी के विभिन्न पदों पर हैं, जबकि एक अन्य भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) का राज्य सचिव है। अल्लू अर्जुन के खिलाफ नारे लगाने वाले प्रदर्शनकारियों ने महिला के परिवार को एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता देने की मांग की। इन छह लोगों के अलावा कुछ अन्य लोग भी इस अनाधिकार प्रवेश और तोड़फोड़ में शामिल मिले। इन छह लोगों को गिरफ्तार किया गया और बाद में स्थानीय अदालत ने उन्हें जमानत दे दी। घटना के बाद पुलिस ने अभिनेता के आवास पर सुरक्षा भी बढ़ा दी। पुलिस ने बताया कि दो आरोपियों के खिलाफ पहले से विभिन्न थानों में कई मामले दर्ज हैं। हैदराबाद के संध्या थिएटर में चार दिसंबर को 'पुष्पा 2' फिल्म दिखाए जाने के दौरान मची भगदड़ के दौरान 35 वर्षीय महिला की मौत हो गई और उसके आठ वर्षीय बेटे को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इस घटना के सिलसिले में अल्लू अर्जुन को 13 दिसंबर को गिरफ्तार किया गया था और बाद में तेलंगाना उच्च न्यायालय ने उन्हें अंतरिम जमानत दे दी थी।

एआई के आगमन के बावजूद शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण है : आरएसएस प्रमुख

नागपुर/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने बृहस्पतिवार को कहा कि 21वीं सदी में कृत्रिम मेधा (एआई) के युग में भी शिक्षक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे। यहां सोमलवार एजुकेशन सोसाइटी के 70वें स्थापना दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि वर्तमान पीढ़ी प्रौद्योगिकी के कारण बहुत सारे ज्ञान से अवगत है, लेकिन शिक्षक जीवन बदल सकते हैं।

भागवत ने कहा, ''देखने और अवलोकन का मतलब सीखना है। हम पढ़ने और सुनने के माध्यम से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं... आपके पास मौजूद जानकारी का उपयोग कैसे करना है, यह दृष्टि और अवलोकन से सीखा जाता है।'' उन्होंने कहा, ''शिक्षकों में जीवन बदलने की शक्ति है...प्रौद्योगिकी आती है और जाती है...बुद्धि के कृत्रिम होने के साथ, शिक्षकों और शिक्षा की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है।'' आरएसएस प्रमुख ने महात्मा गांधी के इस कथन को भी याद किया कि नैतिकता के बिना विज्ञान पाप है। भागवत ने कहा कि प्रौद्योगिकी महत्वपूर्ण है और इसकी प्रगति से मनुष्यों को तेजी से एवं सटीक काम करने में मदद मिलेगी, लेकिन इसका प्रभावी ढंग से उपयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''जब हम पढ़ाते हैं तो हम सीखते भी हैं। हर छात्र अलग है।''

क्रेडिट कार्ड बकाया पर 30 प्रतिशत से अधिक ब्याज वसूल सकते हैं बैंक : उच्चतम न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (एनसीडीआरसी) के 16 साल पुराने एक फैसले को खारिज कर दिया है जिसके बाद बैंक ग्राहकों से क्रेडिट कार्ड बकाया पर 30 प्रतिशत से अधिक ब्याज वसूल सकते हैं। एनसीडीआरसी ने अपने फैसले में कहा था कि क्रेडिट कार्ड बकाये पर ग्राहकों से अत्यधिक ब्याज दर वसूलना अनुचित व्यापार व्यवहार है। यह फैसला सिटीबैंक, अमेरिकन एक्सप्रेस, एचएसबीसी और स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक द्वारा एनडीसीआरसी के सात जुलाई, 2008 के आदेश के खिलाफ दायर अपीलों पर आया है। आयोग ने कहा था कि क्रेडिट कार्ड बकाये पर 36 प्रतिशत से 49 प्रतिशत प्रति वर्ष तक की ब्याज दरें बहुत अधिक हैं और उधारकर्ताओं के शोषण की तरह हैं।

न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कहा कि एनसीडीआरसी की यह टिप्पणी अवैध' है और भारतीय रिजर्व बैंक की शक्तियों के स्पष्ट, सुस्पष्ट प्रत्यायोजन में हस्तक्षेप है। न्यायालय ने कहा कि आयोग का 30 प्रतिशत से अधिक ब्याज दर

न लेने के बारे में दिया गया निर्णय बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 के विधायी उद्देश्य के विपरीत है। शीर्ष अदालत ने 20 दिसंबर के अपने फैसले में कहा कि बैंकों ने क्रेडिट कार्ड धारकों को धोखा देने के लिए किसी भी तरह से कोई गलतबयानी नहीं की थी और 'भ्रामक व्यवहार' एवं अनुचित तौर–तरीकों की पूर्व–शर्तें नदारद थीं। न्यायालय ने कहा कि एनसीडीआरसी के पास बैंकों तथा क्रेडिट कार्ड धारकों के बीच किए गए अनुबंध की उन शर्तों को फिर से तय करने का कोई अधिकार नहीं है जिसपर दोनों पक्षों ने आपसी सहमति जताई थी। पीठ ने कहा, हम भारतीय रिजर्व बैंक की इन दलीलों से सहमत हैं कि वर्तमान मामले के तथ्यों और परिस्थितियों में किसी भी बैंक के विरुद्ध कार्रवाई करने का आरबीआई को निर्देश देने का सवाल ही नहीं पैदा होता है।

'बांसुरी उत्सव' में जाकिर हुसैन को श्रद्धांजलि दी जायेगी

मुंबई। वार्षिक संगीत कार्यक्रम बांसुरी उत्सव' के अगले महीने आयोजित होने वाले संस्करण में प्रसिद्ध तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन को श्रद्धांजलि दी जायेगी। आयोजकों ने बृहस्पतिवार को यह घोषणा की। हुसैन का अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में एक अस्पताल में 15 दिसंबर को निधन हो गया था। हुसैन की मृत्यु फेफड़े संबंधी समस्या 'इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस' से उत्पन्न जटिलताओं के कारण हुई थी। वह 93 वर्ष के थे। बांसुरीवादक विवेक सोनार के गुरुकुल प्रतिष्ठान द्वारा आयोजित महोत्सव का 16वां संस्करण चार और पांच जनवरी को ठाणे के डॉ. काशीनाथ घाणेकर सभागार में आयोजित किया जायेगा। सोनार ने एक बयान में कहा, ''उस्ताद जाकिर हुसैन के निधन से पूरा विश्व गहरे सदमे में है, इसलिए हम इस वर्ष बांसुरी उत्सव को प्रिय जाकिर भाई की याद में समर्पित कर रहे हैं। वह विश्व में भारत के सांस्कृतिक दूत थे।'' इसमें कहा गया है, उनके जाने से भारतीय शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में एक शून्य पैदा हो गया है। हम उनकी याद में इस उत्सव का आयोजन कर रहे हैं। इस उत्सव का समापन बेगम परवीन सुल्ताना के शास्त्रीय गायन से होगा।

'रोपवे' परियोजना के खिलाफ कटरा में दूसरे दिन भी रहा बंद, भूख हड़ताल शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रियासी/जम्मू/भाषा। जम्मू कश्मीर में वैष्णो देवी तीर्थयात्रा के आधार शिविर कटरा में प्रस्तावित 'रोपवे' परियोजना के खिलाफ बृहस्पतिवार को दूसरे दिन भी बंद जारी रहा और एक दिन पहले पुलिस द्वारा हिरासत में लिए गए लोगों की रिहाई की मांग को लेकर आंदोलनकारी भूख हड़ताल पर बैठ गए। श्री माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति ने 72 घंटे के बंद का आह्वान किया है, जो बुधवार से शुरू हुआ। उन्होंने यह घोषणा की है कि इस दौरान कटरा में

सभी गतिविधियां निलंबित रहेंगी।

समिति के प्रवक्ता ने कहा, जब तक सरकार 'रोपवे' परियोजना को रद्द नहीं कर देती, तब तक हड़ताल जारी रहेगी। यह कटरा के उन अधिकतर लोगों की आजीविका पर हमला है, जो तीर्थयात्रा से होने वाली आय पर निर्भर हैं। पिछले महीने बोर्ड ने गुफा मंदिर तक 13 किलोमीटर लंबे रास्ते पर चलने में चुनौतियों का सामना करने वाले वरिष्ठ नागरिकों, बच्चों और अन्य लोगों को मंदिर तक पहुंचाने में आसानी के लिए रोपवे शुरू करने का निर्णय लिया था। दुकानदारों, खच्चर वालों और पालकी मालिकों का प्रतिनिधित्व करने का दावा करने वाली समिति का कहना है कि रोपवे से स्थानीय व्यापार मालिकों की आजीविका समाप्त हो जाएगी। उन्होंने इस परियोजना को रद्द कर दिए जाने की मांग की। कटरा में बृहस्पतिवार को लगातार दूसरे दिन भी सभी दुकानें, रेस्तरां तथा व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे और सड़कों से यातायात नदारद रहा। समिति के एक सदस्य ने कहा कि प्रशासन उनसे बातचीत करने के बजाय बल प्रयोग कर रहा है, जिसमें शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान उनके नेताओं को हिरासत में लेना भी शामिल है।

बापू की विरासत को संरक्षित करने के लिए खुद को समर्पित करेंगे : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी/भाषा। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को यहां होने वाली अपनी कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक से पहले कहा कि वह राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की उस विरासत को संरक्षित करने के लिए खुद को फिर से समर्पित करेगी जिस पर मौजूदा समय में हमला किया जा है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, महात्मा गांधी ने 100 साल पहले, तब के बेलगाम और आज के बेलगावी में, 26 दिसंबर 1924 को कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में पदभार संभाला था। वह एक ऐतिहासिक सत्र था। आज उसी स्थान पर विस्तारित कार्यसमिति अपनी नव सत्याग्रह बैठक कर रही है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ख़ुद को महात्मा गांधी की उस विरासत को संरक्षित करने, उसकी रक्षा करने और उसे बढ़ावा देने के लिए फिर से समर्पित करेगी, जिस पर उस विचारधारा द्वारा सुनियोजित ढंग से हमला किया जा रहा है, जिसने उनका हमेशा विरोध किया और जिसने संविधान को अपनाए जाने पर उस पर हमला किया था।

इस बैठक को कांग्रेस ने नव सत्याग्रह बैठक नाम दिया है। विस्तारित कांग्रेस कार्य समिति की यह बैठक पार्टी के बेलगावी अधिवेशन के 100 साल पूरे होने के मौके पर हो रही है। उस अधिवेशन में महात्मा गांधी को कांग्रेस अध्यक्ष चुना गया था। कांग्रेस 27 दिसंबर को बेलगावी में जय बापू, जय भीम, जय संविधान रैली का आयोजन करेगी। गृह मंत्री अमित शाह की बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर से संबंधित टिप्पणी को लेकर उठे विवाद की पृष्ठभूमि में इस रैली का नाम जय बापू, जय भीम, जय संविधान रखा गया है। कांग्रेस ने शाह की टिप्पणी के खिलाफ वर्तमान में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया है। वह इस सप्ताह को आंबेडकर सम्मान सप्ताह के रूप में मना रही है।

कांग्रेस करेगी व्यापक संगठनात्मक सुधार, चलाएगी 'जय बापू, जय भीम' अभियान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। कांग्रेस की कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में बृहस्पतिवार को फैसला किया गया कि पार्टी में व्यापक संगठनात्मक सुधार तथा पुनर्गठन का काम तत्काल शुरू किया जाएगा और साल भर तक देश भर में 'जय बापू, जय भीम, जय संविधान' अभियान चलाया जाएगा। पार्टी की कार्य समिति की बैठक के बाद कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बताया कि बैठक में दो प्रस्ताव भी पारित किए गए जिनमें एक प्रस्ताव महात्मा गांधी पर और दूसरा राजनीतिक है। वेणुगोपाल ने कहा, वर्ष 2025 का साल संगठन में व्यापक बदलाव का होगा। हम व्यापक संगठनात्मक सुधार करेंगे। यह काम तत्काल शुरू होगा।

उन्होंने बताया कि दिसंबर महीने से ही 'जय बापू, जय भीम और जय संविधान' अभियान शुरू होगा जो अगले एक साल तक चलेगा। वेणुगोपाल के अनुसार, इस अभियान के तहत पदयात्रा होगी तथा जिला और राज्य स्तर पर जनसभाओं का आयोजन होगा। उन्होंने कहा, ''इस अभियान में हम संविधान पर हमले की बात उठाएंगे। इसके साथ महंगाई और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दे भी उठाएंगे।'' वेणुगोपाल ने बताया कि अप्रैल में महात्मा गांधी की जन्मस्थली पोरबंदर (गुजरात) में कांग्रेस का सत्र भी आयोजित किया जाएगा।

भाजपा आज की 'ईस्ट इंडिया कंपनी': सुरजेवाला

बेलगावी/भाषा। कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी महात्मा गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष बनने के 100 साल पूरे होने के अवसर पर बेलगावी में होने वाले कार्यक्रमों से बुरी तरह घबरा गई है। उन्होंने यहां कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक से पहले यह दावा भी किया कि भाजपा आधुनिक समय की ''ईस्ट इंडिया कंपनी'' है जो गांधीवादी विचारधारा के प्रसार से परेशान हो जाती है।

विस्तारित कांग्रेस कार्य समिति की यह बैठक पार्टी के बेलगावी अधिवेशन के 100 साल पूरे होने के मौके पर हो रही है। उस अधिवेशन में महात्मा गांधी को कांग्रेस अध्यक्ष चुना गया था। कांग्रेस के कर्नाटक प्रभारी ने कहा, ''भाजपा, जो कि आधुनिक समय की ईस्ट इंडिया कंपनी है, बेलगावी में महात्मा गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष बनने के 100 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किए गए कार्यक्रमों से बुरी तरह घबराई और परेशान है।''

सुरजेवाला ने कहा, ''(नाथूराम) गोडसे विचारधारा, जिसने भारतीय संविधान का तिरस्कार किया और छह दशकों से अधिक समय तक तिरंगा नहीं फहराया, को छोटे-मोटे बहाने बनाना बंद कर देना चाहिए।'' गांधीजी लाखों लोगों के दिलों में रहते हैं और वे भारत और दुनिया का मार्गदर्शन करते रहेंगे।

सार्वजनिक धन के उपयोग को लेकर

कांग्रेस के बेलगावी अधिवेशन का विरोध करेगी भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी ने कहा कि कांग्रेस ने बेलगावी में 1924 के कांग्रेस अधिवेशन की शताब्दी मनाने के लिए कथित तौर पर सार्वजनिक धन खर्च किया है जिसे लेकर वह शुक्रवार को यहां महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष सत्तारूढ़ कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन करेगी। बृहस्पतिवार को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने कहा कि कांग्रेस अब वह नहीं रही जो आजादी से पहले थी और उन्होंने इसे नकली कांग्रेस करार दिया। विजयेंद्र ने कहा, कांग्रेस करोड़ों करदाताओं के पैसे का उपयोग करके बेलगावी में एक सम्मेलन आयोजित कर रही है, जो सही नहीं है। हम शुक्रवार को बेंगलूरु में महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने धरना प्रदर्शन करेंगे।

उन्होंने कहा कि यह आंदोलन नकली कांग्रेस द्वारा आयोजित सम्मेलन के खिलाफ भी है। भाजपा विधायक और विधान परिषद सदस्य इस प्रदर्शन में भाग लेंगे। विजयेंद्र ने आगे कहा कि कांग्रेस ने महात्मा गांधी और भारतीय संविधान के निर्माता बी आर अंबेडकर के सिद्धांतों को त्याग दिया है।

हम नकली कांग्रेस की इस नीति के खिलाफ बेलगावीं में कांग्रेस सम्मेलन का विरोध करने के लिए कल सुबह 10.30 बजे बेंगलूरु में महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने धरना देने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसमें विधानसभा के सदस्य भाग लेंगे। विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी, राज्य महासचिव पी. राजीव प्रेस कॉन्फ्रेंस में मौजूद थे।

मौजूदा कांग्रेस 'असली' नहीं, महात्मा गांधी के नाम पर राजनीति कर रहे हैं 'फर्जी गांधी' : कुमारस्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंड्या। जनता दल (एस) के नेता एवं केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश में मौजूदा कांग्रेस ''असली'' नहीं है। उन्होंने पार्टी नेतृत्व पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि ''फर्जी गांधी'' महात्मा गांधी के नाम पर राजनीति कर रहे हैं। कुमारस्वामी ने कहा कि गांधी ने कांग्रेस को भंग करने का आह्वान किया था। उन्होंने कांग्रेस की राज्य इकाई की आलोचना करते हुए इसे ''अली बाबा और चालीस चोरों'' की पार्टी करार दिया।

कुमारस्वामी ने कहा, आज कांग्रेस के नेता महात्मा गांधी के नाम पर बेलगावी में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन के शताब्दी समारोह को मनाने के लिए एकत्र हुए हैं, जिसकी अध्यक्षता खुद गांधी ने की थी। सरकार इस पर करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, लेकिन मुझे कहीं भी गांधी का कटआउट नहीं दिखा, गांधी की जगह फर्जी 'गांधी' हैं जो गांधी के नाम पर राजनीति कर रहे हैं। उनके बड़े-बड़े कटआउट लगाए गए हैं। जद (एस) नेता ने यहां पत्रकारों से कहा कि उन्हें गांधीजी के नाम पर कार्यक्रम आयोजित पर कोई आपत्ति नहीं है, जिन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में बहुत बड़ा योगदान दिया और देश के लोगों के लिए वास्तविक स्वतंत्रता का सपना देखा था।

उन्होंने कांग्रेस और कर्नाटक में पार्टी की सरकार से सवाल करते हुए कहा, इन लोगों (कांग्रेस नेताओं) का क्या योगदान है? गांधी के नाम पर इनका क्या योगदान है? पिछले एक साल में उन्होंने क्या किया है? कुमारस्वामी ने कहा, कांग्रेस कितनी बार टूटी है? क्या देश की आजादी के लिए लड़ने वाली असली कांग्रेस आज भी है? ये कौन सी कांग्रेस है? कर्नाटक में जो कांग्रेस है वो 'अली बाबा और चालीस चोर' वाली कांग्रेस है।

कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक के दौरान भारत के गलत 'मानचित्र' पर विवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। कर्नाटक के बेलगावी में 1924 के कांग्रेस अधिवेशन की शताब्दी मनाने के लिए कांग्रेस द्वारा लगाए गए पोस्टर पर भारत के मानचित्र को कथित रूप से गलत तरीके से प्रदर्शित करने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। भाजपा ने इसे कांग्रेस की ''वोट बैंक'' की राजनीति करार दिया है। कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने शताब्दी समारोह के जश्न के तहत पूरे बेलगावी शहर में ये पोस्टर लगाए हैं। भाजपा के अनुसार, पोस्टर पर प्रदर्शित भारत के मानचित्र में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के गिलगित क्षेत्र के साथ-साथ वर्तमान में चीनी प्रशासन के अधीन अक्साई चिन क्षेत्र को भी शामिल नहीं किया गया है, जो जम्मू और कश्मीर के अभिन्न अंग हैं। भाजपा की राष्ट्रीय इकाई ने इस नक्शे को लेकर कांग्रेस की कड़ी आलोचना की।

भाजपा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में आरोप लगाया, रागा (राहुल गांधी) की मोहब्बत की दुकान हमेशा चीन के लिए खुली रहती है। वे (कांग्रेस) देश को तोड़ देंगे। उन्होंने पहले भी एक बार ऐसा किया है। वे फिर से ऐसा करेंगे। भाजपा की कर्नाटक इकाई ने भारत के मानचित्र के ''गलत चित्रण'' को अपने ''वोट बैंक'' को खुश करने का एक तरीका बताया। पार्टी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में आरोप लगाया, कांग्रेस की कर्नाटक इकाई ने बेलगावी में अपने कार्यक्रम के दौरान गलत मानचित्र प्रदर्शित करके भारत की संप्रभुता के प्रति घोर अनादर दिखाया है, जिसमें कश्मीर को पाकिस्तान का हिस्सा दिखाया गया है। यह सब सिर्फ अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए किया जा रहा है। यह शर्मनाक है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए भाजपा के विजयपुरा विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने मांग की कि पुलिस आयोजकों के खिलाफ मामला दर्ज करे। यतनाल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, भारत के गलत मानचित्र का प्रकाशन न केवल भू-स्थानिक सूचना मानकों का उल्लंघन है, बल्कि कानून का भी उल्लंघन है।

सेना के हवलदार अनूप पुजारी का उडुप्पी में पूरे सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उडुप्पी। जम्मू कश्मीर के पुंछ में सेना के एक वाहन के दुर्घटनाग्रस्त होने से जान गंवाने वाले लांस हवलदार अनूप पुजारी (33) का बृहस्पतिवार को उडुपी जिले में स्थित उनके पैतृक गांव बीजाडी में पूरे राजकीय और सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया।

ग्यारह मराठा लाइट इन्फैंट्री रेजिमेंट में सेवारत रहे अनूप सहित पांच जवानों की मंगलवार शाम को हुई दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। अनूव का पार्थिव शरीर बृहस्पतिवार सुबह मंगलुरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लाया गया। हवाई अड्डे से उनके पार्थिव शरीर को बीजाडी लाया गया, जहां श्रद्धांजलि देने के लिए सड़कों पर बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हुए।

प्रमुख सड़क चौराहों पर ग्रामीण, स्कूली बच्चे और उडुपी की अतिरिक्त उपायुक्त ममता देवी जीएस तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एस टी सिद्धलिंगप्पा सहित गणमान्य लोगों ने जवान को श्रद्धांजलि दी। अनूप की मां चंदू पूजार्थी और पत्नी मंजूश्री सहित परिवार के सदस्यों की आंखें नम थीं। अनूप करीब 13 वर्ष पहले भारतीय सेना में शामिल हुए थे। अनूप ने अपने करियर के दौरान मुख्य रूप से जम्मू कश्मीर और मणिपुर में सेवा की।

कश्मीर में मारे गए सैनिकों को पूरे सैन्य सम्मान के साथ श्रद्धांजलि दी गई

बेलगावी/दक्षिण भारत । जम्मू कश्मीर में 24 दिसंबर को हुई एक दुर्घटना में जान गंवाने वाले कर्नाटक के तीन सैनिकों को यहां बृहस्पतिवार को पूरे सैन्य सम्मान के साथ श्रद्धांजलि दी गई। जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में सेना के एक वाहन के 300 फुट गहरी खाई में गिरने से पांच जवानों की मौत हो गई थी जिनमें कर्नाटक के कुंदापुरा के अनूप पुजारी (33), बागलकोट के महेश नागप्पा (25) और बेलगावी के दयानंद तिरकन्नावर (44) शामिल थे। वे 11 मराठा लाइट इन्फेंट्री' का हिस्सा थे। उनके पार्थिव शरीर को बृहस्पतिवार को बेलगावी लाया गया, जहां उन्हें मराठा लाइट इन्फेंट्री रेजिमेंटल सेंटर (एमएलआईआरसी) में पूर्ण सैन्य सम्मान के साथ श्रद्धांजलि दी गई। बेलगावी में मौजूद मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने जवानों के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित किया और श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि तीन जवानों की मौत की खबर सुनकर उन्हें ''बेहद दुख'' हुआ। उन्होंने उनकी आत्मा की शांति के लिए कामना की।

सिद्दरामय्या ने उनके नाम पर सड़क के नामकरण प्रस्ताव का विरोध कर रही भाजपा पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बृहस्पतिवार को मैसूरु नगर निगम (एमसीसी) परिषद द्वारा शहर में एक सड़क का नाम उनके नाम पर रखने के प्रस्ताव का विरोध कर रही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर कटाक्ष किया। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, प्रस्ताव में केआरएस रोड के लक्ष्मी वेंकटरमणस्वामी मंदिर से आउटर रिंग रोड जंक्शन तक के हिस्से का नाम सिद्दरामय्या 'आरोग्य मार्ग' रखने का प्रस्ताव है।

मुख्यमंत्री ने यहां पत्रकारों के सवाल के जवाब में कहा, क्या भाजपा इसका स्वागत करेगी? विरोध करना उनका कर्तव्य है। वे अच्छी चीजों का भी विरोध करते हैं और बुरी चीजों का भी। उन्हें कुछ नहीं पता।'' उन्होंने भाजपा नेता प्रताप सिम्हा द्वारा सड़क का नाम उनके नाम पर रखे जाने के प्रस्ताव का समर्थन करने का हवाला देते हुए कहा, पूर्व सांसद (मैसूरु के प्रताप सिम्हा) किस पार्टी से हैं? उन्होंने क्या कहा है...? दूसरे लोग बातें करते रहते हैं, क्या किया जाए?''

चामराजा से कांग्रेस विधायक हरीश गौड़ा के सुझाव के आधार पर एमसीसी ने 22 नवंबर को अपनी बैठक में यह निर्णय लिया। यह मामला पहले मैसूरु के उपायुक्त के समक्ष रखा गया था और फिर इसे परिषद की बैठक में उठाया गया। सूत्रों ने बताया कि इसके बाद एमसीसी ने 13 दिसंबर को समाचार पत्र में नोटिस जारी कर जनता से 30 दिनों में प्रस्ताव पर विचार आमंत्रित किए। मैसूरु सिद्दरामय्या का गृह जिला है। वह दूसरी बार राज्य के मुख्यमंत्री बने हैं। भाजपा की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष बी. वाई. विजयेंद्र ने एमसीसी के कदम को लेकर मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या पर निशाना साधा। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स' पर कहा, मैसूरु का निर्माण और विकास यहां के राजाओं और महाराजाओं ने किया था। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ऐसे महान राजपरिवार के नाम पर बनी सड़क का नाम अपने नाम पर रखने जा रहे हैं। मैसूरु नगर निगम द्वारा लिया गया यह निर्णय कितना वैध और उचित है?'' विजयेंद्र ने कहा कि वर्तमान में एमसीसी में कोई जनप्रतिनिधि नहीं है।

उन्होंने कहा, क्या इससे मुख्यमंत्री की नैतिकता को ठेस नहीं पहुंचता, जो सत्ता में हैं और सड़क का नाम अपने नाम पर रखने की कोशिश कर रहे हैं? ऐसा कदम केवल तुगलक शासन का अनुसरण करने वालों में ही देखा जा सकता है।'' हालांकि, मैसूरु में भाजपा के नेता सिम्हा ने कहा है कि सिद्दरामय्या के नाम पर सड़क का नाम रखने में कुछ भी गलत नहीं है, क्योंकि वह मैसूरु के पुत्र हैं। वहीं दूसरी ओर, जनता दल (एस) ने कहा है कि ऐतिहासिक शहर मैसूरु में केआरएस रोड का नाम सिद्दरामय्या आरोग्य मार्ग रखने का एमसीसी का ''निर्णय निंदनीय'' है।

आरडब्ल्यूएफ के तकनीशियन मुथुकुमार को मिला अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । रेल व्हील फैक्ट्री के इलेक्ट्रिकल विभाग के वरिष्ठ तकनीशियन मुथुकुमार जेबराजन को अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया है। उन्हें भारत मंडपम में 69वें रेलवे सप्ताह के अंतर्गत आयोजित एक समारोह में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा सम्मानित किया गया। मशीनों को अपग्रेड और संशोधित करने के लिए इन-हाउस संसाधनों का उपयोग करके उत्पादकता में सुधार करने में उत्कृष्ट प्रयास के लिए मुथुकुमार को यह पुरस्कार दिया गया। मुथुकुमार ने डिमाउंटिंग प्रेस, ब्रिज क्रेन जैसी उत्पादन संबंधी मशीनों की विद्युत प्रणालियों को रिले लॉजिक से पीएलसी में संशोधित और अपग्रेड किया है, जिसके परिणामस्वरूप ऊर्जा और जनशक्ति की बचत हुई है। वर्ष 2023-24 के दौरान उनके कार्यों की कुल लागत बचत 1.5 करोड़ रुपए है। इन संशोधनों से न केवल ब्रेकडाउन में कमी आई है, बल्कि मशीनों की दक्षता और विश्वसनीयता में भी सुधार हुआ है, जिससे उत्पादकता में वृद्धि हुई है।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने हत्या के 44 साल पुराने मामले को खारिज किया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । कर्नाटक उच्च न्यायालय ने 44 साल पहले तत्कालीन अविभाजित दक्षिण कन्नड़ जिले में दर्ज हत्या के एक मामले में 68 वर्षीय बेंगलूरु निवासी के खिलाफ कानूनी कार्यवाही खारिज कर दी है। न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना ने कहा कि इतने लंबे समय बाद दोष साबित करना संभव नहीं है। उन्होंने कहा, यदि आरोपी का बरी होना अपरिहार्य है, तो मुकदमे को आगे बढ़ने देने से कीमती न्यायिक संसाधनों की केवल बर्बादी होगी। इसी के साथ राज्य की आपराधिक न्याय प्रणाली का शायद सबसे पुराना मामला बंद हो गया। उडुप्पी पुलिस द्वारा आठ जून 1979 को दर्ज किया गया यह मामला उडुप्पी में श्री अदमार मठ से जुड़े भूमि विवाद से संबंधित है। आरोप है कि विवादित जमीन के किराएदार सीताराम भट ने किट्टा उर्फ कृष्णप्पा के साथ मिलकर नारायणन नायर और कुन्हीराम पर चाकुओं से हमला किया था। कुन्हीराम की अस्पताल में मौत हो गई थी। संजीव हांडा, बसव हांडा और चंद्रशेखर भट पर सीताराम भट और किट्टा के साथ जाने का आरोप लगाया गया था। 1प्रारंभिक मुकदमे में सीताराम भट और किट्टा को दोषी ठहराया गया था जबकि संजीव हांडा और बसव हांडा को बरी कर दिया गया था लेकिन इसके खिलाफ अपील किए जाने पर किट्टा को दोष मुक्त करार दिया गया लेकिन सीताराम भट की सजा बरकरार रखी गई।

उडुप्पी पुलिस ने हाल में चंद्रशेखर भट उर्फ चंद्रा के खिलाफ कार्यवाही का अनुरोध करते हुए दावा किया कि वह मुकदमे के दौरान फरार था। संजीव हांडा के दामाद चंद्रशेखर भट ने तर्क दिया कि उसे इस मामले की जानकारी नहीं थी क्योंकि वह 1979 से 2022 तक बेंगलूरु में रह रहा था।

'डिजिटल अरेस्ट' के बाद जापानी नागरिक से 35.50 लाख की ठगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु में काम करने वाले जापानी नागरिक हिरोशी सासाकी को साइबर जालसाजों द्वारा 'डिजिटल अरेस्ट' करने के बाद उनसे 35.50 लाख रुपये की ठगी कर ली गई। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना 12 से 14 दिसंबर के बीच घटित हुई।

डेयरी सर्किल के पास एक फ्लैट में रहने वाले सासाकी को 12 दिसंबर को एक फोन आया। फोन करने वाला व्यक्ति खुद को भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण से संबंधित बता रहा था। फोन करने वाले ने सासाकी को बताया कि उनका फोन नंबर अनधिकृत उपयोग के कारण ब्लॉक कर दिया जाएगा। सासाकी से संपर्क टूटने से बचने के लिए उन्हें एक नंबर डायल करने को कहा गया। नंबर डायल करने पर सासाकी को तुरंत एक व्हाट्सएप कॉल आया, जिसमें किसी ने मुंबई पुलिस के साइबर अपराध प्रकोष्ठ से होने का दावा किया था। फोन करने वाले ने सासाकी को बताया कि वह धन शोधन के एक मामले में संलिप्त है। जालसाजों ने उन्हें 'डिजिटल अरेस्ट' कर लिया और आरटीजीएस सहित विभिन्न माध्यमों से भुगतान करवाकर उनके बैंक खातों से 35.50 लाख रुपये निकाल लिए। उन्हें यह भी बताया गया कि जांच पूरी होने के बाद पैसा वापस कर दिया जाएगा। ठगे जाने का अहसास होने पर सासाकी ने दक्षिण-पूर्व साइबर अपराध, अर्थशास्त्र एवं नारकोटिक्स (सीईएन) पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई।

भजनलाल सरकार संकल्प पत्र के माध्यम से राज्य का विकास करने में जुटी है : परनामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर/एजेन्सी। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी ने कहा है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार राज्य में संकल्प पत्र के माध्यम प्रदेश का विकास करने में जुटी है।

परनामी ने गुरुवार को यहां भाजपा शहर इकाई की ओर से आयोजित कार्यक्रम में पत्रकारों को संबोधित करते हुये कहा कि भाजपा सरकार का एक साल इस मायने में भी उत्कर्ष परिणाम वाला रहा कि चुनाव घोषणा पत्र का

70 फीसदी कार्य सरकार ने इस एक वर्ष में किया है। इतना ही नहीं सरकार अनेकों घोषणाओं को पूरा करने की स्थिति में है।

परनामी ने कहा कि ..डबल इंजन.. की सरकार के कारण प्रदेश के आधारभूत ढांचे का आधुनिकीकरण किया जा रहा है, जिससे राजस्थान को आर्थिक दृष्टि से समृद्ध बनाया जा रहा है। उन्होंने पानी, विद्युत, शिक्षा, चिकित्सा क्षेत्र के अलावा युवा बेरोजगारों, किसानों और महिलाओं के हित में सरकार के दूरगामी निर्णय प्रदेश को मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने ईस्टर्न राजस्थान कैनाल परियोजना ईआरसीपी और राइजिंग राजस्थान समिट का खास जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रदेश को सौगात पानी समस्या को मिटा देगी। समिट में 35 लाख करोड़ के एम.ओ.यू. और उन्हें जल्दी से धरातल पर लाने की दिशा में मुख्यमंत्री शर्मा के निर्देश पर 90 दिन में जमीनों का आवंटन राज्य के उज्ज्वल भविष्य के संकेत है। उन्होंने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर भी तंज कसा और कहा कि गहलोत सरकार ने अपने राज के चौथे साल में समिट आयोजन किया। जो असफल रहा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दूरदर्शिता दिखाते हुए पहले वर्ष में ही इसे कर दिखाया।

परनामी ने कहा कि भजनलाल सरकार युवाओं को नौकरी देने में भी आगे है। सरकार ने 43 हजार नौकरी दे दी है तथा 1 लाख 78 हजार प्रक्रियाधीन है। पेपरलीक पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि एक वर्ष में 10 प्रतियोगी परीक्षा हुई , किसी में भी पेपर लीक नहीं हुआ। आगे भी पेपरलीक नहीं हो सकेंगे। जबकि गहलोत राज में पेपरलीक रोज का काम हो गया था। भाजपा सरकार में पेपरलीक के छोटे-बड़े दोषियों को जेल में डालने का काम हुआ है। उन्होंने बिजली में जल्द ही प्रदेश के आत्मनिर्भर होने की बात कहते हुए कहा कि राजस्थान आनेवाले दिनों में दूसरे प्रदेशों को बिजली बेचने में सक्षम होगा।

सोने चांदी के व्यापारी को अपहृत करके लूटा

भीलवाड़ा/एजेन्सी। राजस्थान में भीलवाड़ा जिले के आसींद थाना क्षेत्र में लुटेरों ने एक सोनी चांदी के व्यापारी से करीब 15 लाख रुपये का सोना, चांदी और एक लाख 80 हजार रुपये नकद लूटकर फरार हो गये। लूट के शिकार आभूषण व्यापारी भैंरूलाल सोनी ने गुरुवार को बताया कि वह बुधवार रात अपनी दुकान बंद करके मोटर साइकिल से रात करीब साढ़े सात बजे घर लौट रहा था। इसी दौरान लाछुड़ा मार्ग पर एक कार ने उसका रास्ता रोक लिया। कार में सवार चार-पांच बदमाश अचानक बाहर निकले और उससे मारपीट करके उसे कार में जबरन बिठाकर जंगल में ले गये। जहां उन्होंने मारपीट करके आठ किलो चांदी, 80 ग्राम सोने के आभूषण, एक लाख 80 हजार रुपए, सोने की चेन और अंगूठी लूट ली। उसने बताया कि लुटेरों ने उसे गंभीर रूप से घायल करके अंधेरे में जंगल में छोड़ दिया। वह जैसे-तैसे सड़क तक पहुंचकर राहगीरों की मदद से पुलिस तक पहुंचा। पुलिस ने भैरुलाल को गंभीर हालत में चिकित्सालय में भर्ती कराया दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

कुंभ में दुनिया देखेगी भारत की सांस्कृतिक शक्ति : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर/एजेन्सी। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा है कि अबकी बार कुंभ में भारत की ताकत और भारत की सांस्कृतिक शक्ति को एक साथ दुनिया देख सकेगी।

शेखावत गुरुवार को यहां मीडिया से चर्चा के दौरान प्रयागराज में आयोजित होने जा रहे कुंभ के बारे में कहा कि कुंभ का हजारों वर्ष का इतिहास है। वैदिक सभ्यता से लेकर महाभारत काल, गुप्त शासन काल, चालुक्य वंश के समय और उसके बाद पूरे मध्यकालीन इतिहास में कुंभ का उल्लेख मिलता है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2013 में पिछला पूर्ण कुंभ जब हुआ तब लगभग 20 करोड़ यात्री स्नान और दर्शन के लिए आए थे। वर्ष 2019 में अर्द्ध कुंभ के समय यह संख्या बढ़कर 25 करोड़ हुई थी। अनुमान है कि 45 करोड़ लोग अबकी बार कुंभ में साक्षी बनेंगे और सम्मिलित होंगे। उन्होंने कहा कि अबकी बार कुंभ और अधिक दिव्य-भव्य हो, इसको लेकर प्रशासन, उत्तर प्रदेश सरकार और भारत सरकार, सभी मिलकर बहुत व्यापक स्तर पर काम कर रहे हैं। कुंभ में आने वाले कल्पवासी, जो पूरे समय में रहकर वहां पर कल्प साधना करते हैं, उनकी संख्या इस बार 10 लाख के बजाय 20 लाख के आसपास रहने वाली है। उन्होंने कहा कि देश-दुनिया से जो पर्यटक कुंभ के समय आएंगे, लगभग 20 लाख विदेशी सैलानियों की हम उम्मीद करते हैं, उनको एक स्थान पर एक वृहद भारत का अनुभव हो, इस दृष्टिकोण से हमने तैयारी है।

शेखावत ने कहा कि संस्कृति मंत्रालय ने अनेक स्थानों पर कुंभ में भारत की संस्कृति को चिरित्र करने के लिए अलग-अलग मंच बनाए हैं। कुंभ में संस्कृति मंत्रालय को उत्तर प्रदेश सरकार ने 14 एकड़ भूमि दी है, उस पर भारत के सभी प्रांतों क्रॉफ्ट, कल्चरल और कुजिन यानी हस्तशिल्प, संस्कृति व भोजन, इन तीनों को हम प्रदर्शित कर सकें, इस तरह की एक रचना की जा रही है।

उन्होंने कहा कि देश के सभी ख्यातनाम कलाकार कुंभ में अपना प्रदर्शन करेंगे। देशभर के हस्तशिल्पी अपने हुनर का प्रत्यक्ष प्रदर्शन करने वाले हैं। अबकी बार कुंभ दुनिया के लिए एक ऐसा अवसर होगा जहां भारत की ताकत और भारत की सांस्कृतिक शक्ति को एक साथ में देख सकेंगे। 45 करोड़ लोग कुंभ में आएंगे, भारत और चीन को छोड़कर दुनिया के किसी भी देश की इतनी आबादी नहीं है। इतने लोग एक साथ, एक जगह पर एकत्रित होंगे और दुनिया का सबसे बड़ा मानवों का एकत्रीकरण एक जगह पर होगा।

अटल जी ने राजनीति को एक नई दिशा प्रदान की : यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर/एजेन्सी। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने बुधवार को कहा कि भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने राजनीति को एक नयी दिशा प्रदान की।

यादव अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती पर राजीव गांधी सामान्य चिकित्सालय में देर शाम फल वितरित करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इस अवसर पर राजस्थान सरकार के वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा सहित कई जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि वाजपेयी ने राजनीति को एक नई दिशा प्रदान की और उन्होंने यह साबित किया कि राजनीति सेवा का मिशन है। इसी के चलते भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता उनके जन्मदिन पर सेवा का संकल्प लेते हैं। यादव ने कहा कि राजनीति में उन नए युवाओं को जगह मिलनी चाहिए जिनके घर परिवार से कोई भी राजनीति में नहीं है और अटल जी ने यह साबित भी किया । अटल जी लंबे समय तक सांसद रहे। उनकी विरासत से नई पीढ़ी को यही सीख मिलती है कि किस तरीके से एक राजनेता को सरल हृदय होना चाहिए। आमजन से जुड़ने की भावना होनी चाहिए । उन्होंने कहा कि जब वाजपेयी प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने प्रधानमंत्री सड़क योजना शुरू की। गोल्डन कॉरिडोर शुरू किया और उसी कॉरिडोर के कारण ही वर्तमान में अलवर से दो-दो एक्सप्रेस वे निकल रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने कभी भी जनजाति मंत्रालय का गठन नहीं किया, लेकिन अटल जी ने जनजाति मंत्रालय का गठन किया। नए राज्य बनाए। देश की संसदीय प्रणाली में काफी बदलाव हुए।

भालू के हमले से किसान घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर/एजेन्सी। राजस्थान में सवाईमाधोपुर जिले के रणथम्भौर बाघ संरक्षण क्षेत्र के पास बालापुरा गांव में गुरुवार को खेत में काम कर रहा एक किसान भालू के हमले से गंभीर रूप से घायल हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार घायल किसान बंशीलाल को उपचार के लिये सवाई माधोपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। भालू के हमले के दौरान किसान के चिल्लाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और भालू को भगाया। घायल बंशीलाल ने बताया कि दोपहर में खेत पर काम कर रहा था कि अचानक फसल के बीच में से निकलकर एक भालू ने उस पर हमला कर दिया। उसने भालू से बचने के लिए काफी प्रयास किया, लेकिन सभी प्रयास विफल रहे तो वह चिल्लाया। चिल्लाने की आवाज सुनकर खेतों में काम कर रहे ग्रामीण वहां पहुंचे और शोर मचा कर भालू को भगाया। भालू ने बंसीलाल के कंधे और मुंह पर नाखून से हमला किया, जिससे वह घायल हुआ है।

सीमावर्ती क्षेत्र में धारा 163 दो महीने के लिए बढ़ाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर/एजेन्सी। राजस्थान में बीकानेर जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में सीमा पार से अवैध प्रवेश एवं अवांछनीय गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए जिला मजिस्ट्रेट एवं जिला कलक्टर नम्रता वृष्णि ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 को दो महीने के लिये बढ़ाने के आदेश दिये हैं।

आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि जिले से लगने वाली अन्तरराष्ट्रीय सीमा पर तस्करों, घुसपैठियों एवं अन्य असामाजिक तत्वों के अवैध प्रवेश और अन्य अवांछनीय गतिविधियों की आशंका के चलते यह आदेश जारी किये गये हैं। इसके साथ ही सीमा के नजदीक सीमा पार पाकिस्तानी क्षेत्र में लगे मोबाइल टावरों का नेटवर्क भारतीय सीमा के अन्दर करीब चार किलोमीटर तक आने के कारण राष्ट्रीय सुरक्षा पर खतरे को देखते हुए पाकिस्तानी लोकल सिम का उपयोग करने या पीसीओ से सम्पर्क या सूचना देने और रात्रिकालीन विचरण पर प्रतिबंध की अवधि बढ़ायी गयी है।

जिला मजिस्ट्रेट नम्रता वृष्णि के आदेशानुसार जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा से लगते दो किलोमीटर क्षेत्र में रहने वाले निवासियों एवं उस क्षेत्र में प्रवेश एवं विचरण करने वाले निवासियों को निर्देशित किया गया है कि इस क्षेत्र के तहसील खाजूवाला एवं बज्जू के ग्राम बल्लर, गुलामअलीवाला, सियासर चौगान, बेरियांवाली, करमवाला, गज्जेवाला, रणजीतपुरा, सांचू, अन्नेवाला, कबरेवाला, भूरासर एवं मगनवाला में रात्रि सात बजे से प्रातः छह बजे तक बिना वैध अनुमति के गमनागमन, विचरण एवं अन्य गतिविधियां पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेंगी।

साहिबजादों के नाम पर छात्रावास के लिए भूमि आवंटित करेगी सरकार : मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य सरकार साहिबजादों के नाम पर छात्रावास के लिए जमीन आवंटित की।

शर्मा ने वीर बाल दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में 'शबद कीर्तन' कार्यक्रम में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार साहिबजादों के नाम पर छात्रावास के लिए सिख समाज को जमीन का आवंटन करेगी।

पार्टी की ओर से जारी बयान के अनुसार शर्मा ने कहा कि सिख धर्म के दसवें गुरू, गुरु गोविंद सिंह के साहिबजादों ने मातृ भूमि के लिए, अपनी संस्कृति और विचारों के लिए दृढ़ता के साथ अपने जीवन का बलिदान कर दिया, ऐसे में उनको मेरा कोटि-कोटि नमन।

इसमें कहा गया है कि बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह ने धर्म की रक्षा और सत्य के लिए अल्प आयु में ही अपने प्राण न्यौछावर कर दिए, यह हम सब के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है।

शर्मा ने कहा कि अत्याचारी मुगल शासकों ने उन्हें झुकाने और उनका धर्म परिवर्तन करवाने के लिए अनेक अत्याचार किए लेकिन राष्ट्र और धर्म की रक्षा के लिए साहिबजादों ने हंसते हुए मृत्यु को गले लगा लिया।

उन्होंने कहा कि साहिबजादों की शहादत हमें बताती है कि धर्म के मार्ग पर चलने के लिए उम्र नहीं, दृढ संकल्प और साहस की आवश्यकता होती है।

शर्मा ने कहा कि ऐसी माता को भी नमन जिसने अपने बच्चों में राष्ट्र, धर्म के लिए ऐसे संस्कार और शिक्षा दी।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने इस मौके पर कहा कि मुगलों ने साहिबजादों को यातनाएं देकर झुकाने की कोशिश कीलेकिन उन्होंने सिर झुकाने की बजाय अपने प्राण न्यौछावर करना उचित समझा।

सड़क हादसों में कमी लाने के लिए मिशन मोड पर काम करने के निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/एजेन्सी। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सड़क सुरक्षा एक सामूहिक जिम्मेदारी, जिसमें सरकार, प्रशासन और जनता सभी का योगदान आवश्यक बताते हुए सभी विभागों को सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए मिशन मोड पर काम करने तथा प्रदेश भर में कहीं भी बोरवेल खुले नहीं रहने के निर्देश दिए हैं।

शर्मा गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित सड़क सुरक्षा की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। । उन्होंने कहा कि दुर्घटना संभावित स्थानों को चिह्नित कर इनका शीघ्र सुधार किया जाए तथा प्रदेशभर में चिह्नित ब्लैक स्पॉट्स को प्राथमिकता के आधार पर ठीक किया जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बोरवेल से होने वाली घटनाओं की रोकथाम के लिए जिम्मेदारों के खिलाफ कार्यवाही की जाए। साथ ही आगामी दो सप्ताह में सभी जिला कलक्टर यह सुनिश्चित करें कि बोरवेल खुले नहीं हों। जिससे किसी भी तरह की जनहानि को रोका जा सके। उन्होंने कहा कि जनवरी से सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाए जाएं तथा इसके तहत स्कूलों, कॉलेजों और

कार्यस्थलों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। साथ ही जनसाधारण को यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क सुरक्षा एक महत्वपूर्ण विषय है जिसमें विभिन्न विभागों की अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि परिवहन एवं सड़क सुरक्षा, पुलिस, सार्वजनिक निर्माण, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य तथा शिक्षा सहित विभिन्न विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर सड़क दुर्घटनाओं को न्यूनतम करने का प्रयास करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण एवं प्रभावितों की बेहतर देखरेख हेतु राज्य में 6ई (एजुकेशन, इंजीनियरिंग, एनफोर्समेंट, इमरजेंसी केयर, इवेल्यूएशन, एन्गेजमेंट) आधारित रणनीति के तहत कार्यवाही प्रारंभ की जाए। श्री शर्मा ने कहा कि यातायात नियमों की सख्ती से पालना सुनिश्चित की जाए तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में बैरिकेडिंग, साइन बोर्ड, स्पीड ब्रेकर सहित तमाम प्रबंध सुनिश्चित किया जाए जिससे दुर्घटनाओं की रोकथाम की जा सके। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं के रोकथाम के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए जाएं एवं स्पीड मॉनिटरिंग उपकरण एवं ऑटोमेटेड चालान प्रणाली लागू की जाए।

उन्होंने कहा कि परिवहन विभाग यह सुनिश्चित करे कि बिना परमिट के वाहनों की सड़कों पर आवाजाही ना हो तथा उल्लंघन करने वालों पर सख्ती से कार्रवाई की जाए। साथ ही ट्रोमा केयर सुदृढ़ीकरण करने, गैर मोटर चलित वाहनों पर रिफ्लेक्टिव टेप अभियान चलाने एवं जिलों में सड़क सुरक्षा समितियों के माध्यम से आईरैड के आधार पर एंबुलेंसों की प्री-पोजिशनिंग के भी निर्देश मुख्यमंत्री ने दिए।

मुख्यमंत्री ने सभी अवैध कट्स को बंद करने, सड़कों को अतिक्रमण मुक्त करने, मानकों के अनुरूप रोड फर्नीचर की सुनिश्चितता एवं उनका रख-रखाव करने, सड़कों पर आवारा जानवरों की रोकथाम करने, वाहनों की फिटनेस नियमानुसार सुनिश्चित करने, ओवरलोडिंग, ओवरहैंगिंग, ओवरक्राउडिंग आदि के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए।

राजस्थान के कई इलाके भीषण ठंड की चपेट में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान के अधिकतर इलाके भीषण ठंड की चपेट में हैं और मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार से राज्य में कई जगह बारिश एवं ओलावृष्टि का अनुमान जताया है।

मौसम केंद्र, जयपुर के अनुसार, बीते चौबीस घंटे में राज्य में मौसम आमतौर पर शुष्क रहा। इस दौरान कहीं कहीं घने से अति घना कोहरा छाया रहा और पश्चिमी राजस्थान में 'शीत दिवस' दर्ज किया गया।

न्यूनतम तापमान फतेहपुर में 3.8 डिग्री व संगरिया में 4.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा, न्यूनतम तापमान चुरू में 5.0 डिग्री, गंगानगर में 6.5 डिग्री व पिलानी में 5.7 डिग्री सेल्सियस रहा।

मौसम केंद्र, जयपुर के अनुसार 26 दिसंबर से एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से उदयपुर, अजमेर, कोटा, जयपुर, भरतपुर व बीकानेर संभाग के कुछ भागों में मेघ गर्जन के साथ हल्के से मध्यम बारिश होने की संभावना है। इसका सबसे अधिक असर 27 दिसंबर को रहने की संभावना है तथा कुछ जगहों पर मेघ गर्जन, बारिश व ओलावृष्टि का अनुमान है।

मौसम विभाग के अनुसार, 28 दिसंबर को कोटा, भरतपुर संभाग में कहीं-कहीं हल्की बारिश होने व शेष अधिकांश भाग में मौसम मुख्यतः शुष्क रहने का अनुमान है, जबकि 29 दिसंबर से मौसम शुष्क रहेगा तथा कहीं-कहीं घना कोहरा छाया रहेगा व तापमान में गिरावट हो सकती है।

जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटने के बाद आया बदलाव : मलिक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सवाईमाधोपुर/एजेन्सी। जम्मू कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने कहा है कि जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाने के बाद वहां काफी बदलाव आया है और अब वहां कोई भी सरकार चाहे किसी की भी हो वह वापस अनुच्छेद 370 को बहाल नहीं कर सकती ।

मलिक बुधवार को अपने सवाईमाधोपुर के दौरे के दौरान सर्किट हाउस में पत्रकारों से रूबरू हो रहे थे। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि पहले जम्मू-कश्मीर के लोग अपने आप को हिंदुस्तान से अलग जैसा मानते थे लेकिन अनुच्छेद 370 हटने के बाद वहां काफी बदलाव आया है। अब उनकी सोच बदली है जो

अपने आप में बहुत बड़ा बदलाव है।

उन्होंने कहा कि पहले वहां पत्थरबाजी होती थी और महबूबा मुफ्ती और फारुख अब्दुल्ला कहते थे कि अनुच्छेद 370 हटेगी तो खून की नदियां बह जायेगी लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ और कोई चिड़िया भी नहीं बोली तथा आज कश्मीर में बदलाव हो रहा है। उन्होंने कहा कि अब जम्मू कश्मीर में कोई भी सरकार चाहे किसी की भी हो वह वहां वापस अनुच्छेद 370 को बहाल नहीं कर सकती, अब यह भूतकाल की बात हो गई ।

मालिक ने कहा जब वह जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल थे तब मोदी सरकार ने वहां से अनुच्छेद 370 हटाने का इरादा जाहिर किया था, मुझे लगा कि यह एक अच्छा काम है तो मैंने उसे आगे बढ़ाया और मोदी सरकार ने उसे पास कराया और जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हट गई ।

एक देश एक चुनाव के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था व्यवहारिक नहीं लगती। अगर किसी राज्य की बीच के समय में सरकार गिर जाती है तो बाकी बचे वर्षों में क्या होगा। उन्होंने कहा कि एक देश एक चुनाव व्यवहारिक तौर पर सफल होता नजर नहीं आता। उन्होंने संविधान बदलने के बारे में हो रही बातों पर कहा कि कोई सरकार संविधान को नहीं बदल सकती।

सिख गुरुओं की प्रेरणा से बढ़ेंगे तो काबुल-बांग्लादेश होने से बच पाएंगे : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि सिख परंपरा काफी समृद्ध है और इन्होंने विपरीत परिस्थितियों में लड़ते हुए न केवल अपनी परंपरा को सुरक्षित-संरक्षित रखा, बल्कि देश और धर्म के लिए भी बलिदान देकर नई प्रेरणा प्रदान की। मुख्यमंत्री आवास पर बृहस्पतिवार को वीर बाल दिवस (साहिबजादा दिवस) के आयोजन को संबोधित करते हुए योगी ने कहा कि सुनते हैं कि काबुल में सिखों के दो-चार परिवार ही बचे हैं।

उन्होंने कहा, जब बांग्लादेश की घटना और पाकिस्तान के अंदर अत्याचार के बारे में सुनते हैं, तब सिख गुरुओं के त्याग-बलिदान का स्मरण होता है। सिख गुरुओं के आदर्श हमें आगे बढ़ने की ऊर्जा देंगे। उनकी प्रेरणा से आगे बढ़ेंगे, तब काबुल-बांग्लादेश होने से बच पाएंगे।'' इस दौरान ऐतिहासिक समागम और 11,000 सहज पाठ का भी शुभारंभ हुआ। मुख्यमंत्री ने गुरु तेग बहादुर के श्लोकों पर आधारित पुस्तक का विमोचन भी किया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश के इस जुझारू और समृद्ध समुदाय ने सामर्थ्य, पुरुषार्थ और परिश्रम की मिसाल प्रस्तुत की है। सिखों ने बड़ी संख्या में फौज में जाकर भारत की सुरक्षा के लिए खुद को समर्पित किया है। लेकिन वे कौन दुश्मन हैं, जो उनके परिश्रम और पुरुषार्थ को कुंद करने की साजिश कर रहे हैं। युवा पीढ़ी को मादक पदार्थों की चपेट में लाने का कुत्सित प्रयास कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे लोगों को पहचानने और उनसे सावधान रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सिख-हिंदू एक दूसरे के पूरक हैं, जो इन्हें लड़ाते हैं, उनसे बचना होगा। उन्होंने कहा कि आज के दिन गुरु गोबिंद सिंह के दो साहिबजादे-बाबा जोरावर सिंह और फतेह सिंह, वजीर खां के हाथों दीवार में चुने गए थे। उन्होंने कहा कि चमकौर के युद्ध में दो बड़े साहिबजादे-बाबा अजीत सिंह और जुझार सिंह शहादत को प्राप्त हुए। गुरु गोबिंद सिंह के चारों साहिबजादों ने शहादत देकर देश और धर्म की रक्षा की पक्की नींव खड़ी की जिस पर ना केवल आज भी सिख पंथ, बल्कि पूरा देश गौरव की अनुभूति करता है।

अदालत ने मानहानि की शिकायत पर आप नेता सौरभ भारद्वाज को नोटिस जारी किया

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने आम आदमी पार्टी (आप) के नेता सौरभ भारद्वाज को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक कार्यकर्ता द्वारा दायर आपराधिक मानहानि के मामले में नोटिस जारी किया है।

अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नेहा मित्तल ने 23 दिसंबर को पारित आदेश में भारद्वाज को नोटिस जारी किया, जिसमें उन्हें सूरजभान चौहान द्वारा दायर शिकायत के आधार पर नौ जनवरी, 2025 तक जवाब देने का निर्देश दिया गया है।

अपनी शिकायत में चौहान ने आरोप लगाया कि भारद्वाज ने 2018 में प्रेस वार्ता में झूठा दावा करके उन्हें बदनाम किया था कि उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। न्यायाधीश ने शिकायतकर्ता को उसी मुद्दे पर पहले की शिकायत की प्रतिलिपि दाखिल करने का अंतिम अवसर भी दिया, जिसे एक अन्य अदालत ने खारिज कर दिया था।

राष्ट्रपति मुर्मू ने 17 बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार प्रदान किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने असाधारण साहस और कला, संस्कृति व खेल समेत विभिन्न क्षेत्रों में शानदार उपलब्धियां हासिल करने वाले 17 बच्चों को बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया। यह पुरस्कार सात श्रेणियों में असाधारण उपलब्धियों के लिए दिया जाता है, जिनमें कला एवं संस्कृति, वीरता, नवाचार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सामाजिक सेवा, खेल और पर्यावरण शामिल हैं।

चौदह राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों से चुने गए सात लड़कों और 10 लड़कियों को सम्मान के तहत एक पदक, प्रमाण पत्र और एक प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया। पुरस्कार पाने वालों में कला एवं संस्कृति में शानदार उपलब्धियां हासिल करने वाली 14 वर्षीय दिव्यांग लेखिका केया हतकर, कश्मीर के 12 वर्षीय सूफी गायक अयान सजाद, सेरेब्रल पाल्सी' से पीड़ित 17 वर्षीय व्यास ओम जिग्नेश (संस्कृत साहित्य) शामिल हैं। वीरता श्रेणी में, नौ वर्षीय सौरव कुमार को तीन लड़कियों को डूबने से बचाने जबकि 17 वर्षीय इओना थापा को एक फ्लैट में 36 निवासियों को आग से बचाने के लिए सम्मानित किया गया। नवाचार के लिए, 15 वर्षीय सिंधूरा राजा और साइबर सुरक्षा उद्यमी रिशीक कुमार (17) को पुरस्कार दिया गया। खेल श्रेणी में जूडो खिलाड़ी हेमवती नाग, शतरंज खिलाड़ी अनीश सरकार को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार दिया गया। राष्ट्रपति मुर्मू ने पुरस्कार हासिल करने वालों को बधाई दी और एक पीढ़ी को उत्कृष्टता प्राप्त करने व समाज में योगदान देने के लिए प्रेरित करने में उनकी भूमिका पर जोर दिया।

पूर्व सांसद ने सपा नेता पर प्राचीन मंदिर पर कब्जा करने का आरोप लगाया

कन्नौज (उप्र)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व सांसद सुब्रत पाठक ने बृहस्पतिवार को जिला मजिस्ट्रेट शुभ्रान्त कुमार शुक्ल से मिलकर सपा नेता कैश खां पर बाला पीर में प्राचीन जागेश्वर नाथ मंदिर पर कब्जा करने का आरोप लगाया। पूर्व सांसद की शिकायत पर जिला मजिस्ट्रेट ने इस मामले में जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है। विश्व हिन्दू परिषद ने भी जिला मजिस्ट्रेट से मुलाकात कर मंदिर पर कब्जा किए जाने की शिकायत की है। जिला मजिस्ट्रेट से मिलने के बाद पूर्व सांसद ने पत्रकारों को बताया कि कन्नौज के बालापीर मोहल्ले में सपा नेता कैश खां ने आधे से ज्यादा मंदिर पर कब्जा कर उसके भीतर कुएं को बंद करा दिया और मूर्तियां कुएं में डाल दी हैं। सपा नेता ने इसी पर तीन मंजिला मकान बना लिया है।

पूर्व सांसद ने बताया कि उन्होंने स्वयं इस इलाके का दौरा किया और मौके पर निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों ने बताया कि यहां होली जलती थी। हिन्दू दलित कोरी समाज के लोग यहां रहते थे। धीरे धीरे मुस्लिम आबादी बढ़ी तब मंदिर पर कब्जा कर लिया गया। पाठक ने आरोप लगाया कि सपा नेता ने पुरातत्व की जगह सहित सड़क पर भी कब्जा किया है।

वर्ष 2024 : एक साथ चुनाव की योजना पर आगे बढ़ी सरकार, आम चुनाव में देश ने बनाया रिकॉर्ड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

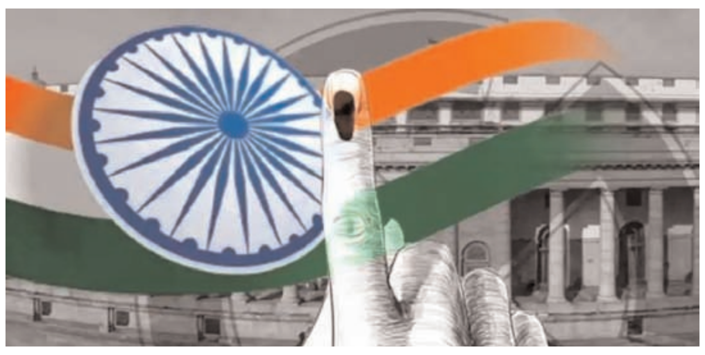

नई दिल्ली/भाषा। भारत में इस साल 31.2 करोड़ महिलाओं सहित 64.2 करोड़ मतदाताओं ने लोकसभा चुनाव में भाग लेकर एक विश्व रिकॉर्ड बनाया और इस साल सरकार ने निचले सदन एवं राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने के लिए एक विधेयक लाकर चुनावी सुधार की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया। जम्मू-कश्मीर में एक दशक के बाद चुनाव हुए तथा इस साल हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड में भी नई सरकारें चुनी गईं। इस साल लोकसभा चुनावों के दौरान मतदान प्रक्रिया 44 दिन तक चली जो 1951-52 में हुए पहले संसदीय चुनावों के बाद दूसरी सबसे लंबी अवधि है। पहले संसदीय चुनावों में मतदान प्रक्रिया चार महीने से अधिक समय तक चली थी। देश में आम चुनाव के लिए मतदान प्रक्रिया की सबसे छोटी अवधि 1980 में थी और यह सिर्फ चार दिन थी।

निर्वाचन आयोग द्वारा चुनावों की घोषणा से लेकर मतगणना तक चुनावी प्रक्रिया में कुल 82 दिन लगे। आयोग ने 16 मार्च को लोकसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की थी जिससे एक दिन पहले, पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली एक उच्च स्तरीय समिति ने एक साथ चुनाव कराने पर अपनी बहुप्रतीक्षित रिपोर्ट पेश की थी। इस समिति ने लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और स्थानीय निकायों (नगरपालिकाओं और पंचायतों) के चुनाव एक साथ चरणबद्ध तरीके से कराने का सुझाव दिया था, लेकिन केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ''पहले कदम के रूप में'' केवल लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने का निर्णय लिया। विधि मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने लगभग 90 मिनट की चर्चा और मत विभाजन के बाद संविधान (129वां संशोधन) विधेयक एवं संघ राज्यक्षेत्र विधि (संशोधन) विधेयक को 17 दिसंबर को लोकसभा में पेश किया जो भाजपा के चिरकालिक सपने को पूरा करने की दिशा में पहला कदम था। पहले विधेयक के लिए संविधान में संशोधन की आवश्यकता है और इसके लिए उपस्थित एवं मतदान करने वाले दो-तिहाई सदस्यों के समर्थन की आवश्यकता होगी, जबकि दूसरा विधेयक ''एक साधारण'' विधेयक है। विधेयकों को गहन समीक्षा और व्यापक विचार-विमर्श के लिए दोनों सदनों की संयुक्त समिति को भेज दिया गया है।

अधिकारियों पर उत्पीड़न का आरोप लगाकर इच्छामृत्यु की मांग करने वाला कांस्टेबल निलंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उन्नाव/भाषा। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में तैनात एक पुलिस कांस्टेबल ने अधिकारियों पर उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए 'इच्छा मृत्यु' की मांग की है, जिसके बाद उसे निलंबित करते हुए मामले की विभागीय जांच शुरू कर दी गयी है। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि कांस्टेबल अखिलेश यादव का पिछले दिनों एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें उसने अधिकारियों पर जाति और धर्म के नाम पर उपेक्षा का आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से हस्तक्षेप की अपील की थी।

वीडियो में कांस्टेबल ने दावा किया कि उसकी पत्नी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद उसे मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। वीडियो में सुसाइड नोट पढ़ते नजर आ रहे यादव ने आरोप लगाया कि अधिकारी उसे फर्जी मामलों में फंसा रहे हैं और इसमें 30 अधिकारी शामिल हैं। इसी वीडियो में वह दूसरे जिलों में तैनात दो वरिष्ठ अधिकारियों को गोली मारने का फैसला लेने की बात भी करता नजर आ रहा है। उसने यह भी कहा कि अगर उसे न्याय नहीं मिला तो वह आत्महत्या करने को मजबूर होगा। उसने 'इच्छा मृत्यु' की भी मांग की थी।

पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने बताया कि कांस्टेबल अखिलेश यादव को अनुशासनहीनता के आरोप में निलंबित कर दिया गया है और उसके खिलाफ विभागीय जांच भी शुरू कर दी गयी है।

उन्नाव पुलिस ने जारी बयान में बताया कि आरोप लगाने वाले कांस्टेबल के खिलाफ उसकी पत्नी दीपा यादव ने साल 2022 में सोनभद्र जिले के रॉबर्ट्सगंज इलाके के एक थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी और चार मार्च 2023 को कथित दहेज हत्या के मामले में उस पर एक और मुकदमा दर्ज हुआ था। बयान के मुताबिक कांस्टेबल यादव के खिलाफ दो मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें आरोप पत्र अदालतों को भेजे जा चुके हैं। साल 2022 के मामले में कांस्टेबल को अदालत ने जेल भी भेजा था। उपरोक्त दोनों मामले अदालतों में लंबित हैं।

मताधिकार का प्रयोग करने में महिलाएं फिर पुरुषों से आगे रहीं : लोस चुनाव पर निर्वाचन आयोग का आकंड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग द्वारा बृहस्पतिवार को जारी किए गए आंकड़ों में कहा गया कि इस वर्ष हुए लोकसभा चुनाव में 64.64 करोड़ मतदाताओं ने मताधिकार का इस्तेमाल किया और इन मतदाताओं में महिलाओं की संख्या पुरुषों से अधिक रही। आयोग ने कहा कि महिला मतदाताओं का मतदान प्रतिशत 65.78 रहा जबकि पुरुष मतदाताओं का मतदान प्रतिशत 65.55 था। निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने दावा किया कि इस तरह का विस्तृत डेटा दुनिया भर के लोकतंत्रों में किसी भी चुनाव निकाय द्वारा साझा नहीं किया जाता।

आयोग ने कहा, स्वतः संज्ञान लेकर की गई इस पहल का मकसद जनता का विश्वास बढ़ाना है, जो भारत की चुनावी प्रणाली का आधार है। आंकड़े इन आरोपों की पृष्ठभूमि में जारी किए गए हैं कि लोकसभा चुनाव के दौरान मतदान के आंकड़ों में हेराफेरी की गई थी। ये आंकड़े चार विधानसभा चुनावों - अरुणाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और सिक्किम से भी संबंधित हैं। आयोग ने कहा कि इस बार चुनाव लड़ने वाली महिला उम्मीदवारों की संख्या 800 रही जबकि 2019 के चुनावों में यह संख्या 726 थी। महाराष्ट्र में सबसे अधिक 111 महिला उम्मीदवार मैदान में थीं। इसके बाद उत्तर प्रदेश में 80 और तमिलनाडु में 77 महिलाएँ चुनाव मैदान में थीं। लेकिन साथ ही, कुल 543 लोकसभा क्षेत्रों में से 152 सीट ऐसी थीं जहां कोई महिला उम्मीदवार नहीं थीं। वर्ष 2024 के चुनाव में कुल 97.97 करोड़ से अधिक नागरिकों ने खुद को मतदाता के रूप में पंजीकृत कराया, जो 2019 के 91.19 करोड़ के आंकड़े की तुलना में 7.43 प्रतिशत अधिक है। इस बार, ईवीएम और डाक मतपत्र के जरिए डाले गए वोट की कुल संख्या 64,64,20,869 रही। ईवीएम के जरिए 64,21,39,275 वोट डाले गए, जिनमें 32,93,61,948 पुरुष मतदाताओं और 31,27,64,269 महिला मतदाताओं ने मतदान किया। आंकड़ों के अनुसार, तीसरे लिंग के 13,000 से अधिक पंजीकृत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। असम में धुबरी संसदीय क्षेत्र में सबसे अधिक 92.3 प्रतिशत मतदान हुआ। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में सबसे कम 38.7 प्रतिशत मतदान हुआ, जो 2019 में 14.4 प्रतिशत था। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, कम से कम 11 संसदीय क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत 50 प्रतिशत से कम रहा। इसने कहा कि इस बार कुल 10.52 लाख मतदान केंद्रों में से 40 मतदान केंद्रों या 0.0038 प्रतिशत केंद्रों पर पुनर्मतदान किया गया, जबकि 2019 में यह संख्या 540 थी। प्रवासी भारतीय मतदाताओं का जिक्र करते हुए निर्वाचन आयोग ने कहा कि इस श्रेणी में 1.19 लाख से अधिक लोग पंजीकृत थे, जिनमें 1.06 लाख पुरुष, 12,950 महिलाएं और 13 मतदाता तीसरे लिंग से थे, जबकि 2019 में 99,844 पंजीकृत प्रवासी भारतीय मतदाता थे।

ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन की निर्माणाधीन सुरंग में भूस्खलन, एक मजदूर की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोपेश्वर/भाषा। उत्तराखंड में ऋषिकेश -कर्णप्रयाग रेल लाइन पर गौचर के समीप बन रही सुरंग के भीतर हुए भूस्खलन की चपेट में आने से एक मजदूर की मौत हो गई जबकि एक अन्य घायल हो गया।

कर्णप्रयाग के पुलिस थानाध्यक्ष डीएस रावत ने बृहस्पतिवार को बताया कि हादसा एडिट टनल संख्या 15 में बुधवार को हुआ।

उन्होंने बताया कि हादसे में झारखंड निवासी 39 वर्षीय श्यामलाल मरांडी की मौत हो गई जबकि मध्यप्रदेश का रहने वाला दीपचंद्र घायल हो गया। पुलिस थानाध्यक्ष डीएस रावत ने बताया कि मृतक के शव का पोस्टमार्टम करा दिया गया है।

उन्होंने बताया कि घायल मजदूर का रुद्रप्रयाग के जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।

उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में पूर्व मंत्री शारदानंद अंचल की प्रतिमा तोड़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बलिया/भाषा। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के चितबड़ागांव थाना क्षेत्र के रामपुर चिट गांव में स्थापित पूर्व मंत्री शारदानंद अंचल की प्रतिमा को बुधवार देर रात अराजक तत्वों ने क्षतिग्रस्त कर दिया। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इस घटना को लेकर सपा समर्थकों में आक्रोश व्याप्त है और इस मामले में बृहस्पतिवार को अज्ञात लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है।

पुलिस के अनुसार चितबड़ागांव थाना क्षेत्र के रामपुर चिट गांव में पूर्व ग्राम प्रधान कृष्णा यादव द्वारा सपा के वरिष्ठ नेता और मुलायम सिंह यादव एवं अखिलेश यादव सरकार में मंत्री रहे शारदानंद अंचल की प्रतिमा वर्ष 2013 में स्थापित कराई गई थी। उन्होंने बताया कि बुधवार देर रात अराजक तत्वों ने अंचल की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर दिया और प्रतिमा से सिर को अलग कर दिया। पुलिस ने बताया कि मामले की छानबीन करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी का प्रयास कर रही है और मौके पर शांति व्यवस्था कायम है। इस बीच उत्तर प्रदेश विधान सभा में प्रतिपक्ष के पूर्व नेता और पूर्व मंत्री रामगोविंद चौधरी ने कहा है कि गरीबों, शोषितों और वंचितों के आजीवन पक्षकार रहे पूर्व मंत्री स्वर्गीय अंचल जी के प्रतिमा को खंडित करने की घटना दुर्भाग्यपूर्ण एवं निंदनीय हैं।

धनंजय मुंडे ने फडणवीस से मुलाकात की, बीड के सरपंच की हत्या को लेकर विपक्ष के निशाने पर हैं मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मंत्री धनंजय मुंडे ने बृहस्पतिवार को यहां मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता मुंडे ने मुख्यमंत्री से यह मुलाकात ऐसे समय की है जब बीड के सरपंच की हत्या मामले में विपक्ष उन्हें मंत्रिमंडल से हटाने की मांग कर रहा है।

महाराष्ट्र के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री मुंडे ने इस मुलाकात के बाद पत्रकारों से कहा कि उनके विभाग की लगभग उसी समय एक बैठक थी जब मुंबई के सहयाद्री गेस्ट हाउस में मुख्यमंत्री की एक बैठक थी। राकांपा नेता ने कहा, इसलिए हमारी मुलाकात हुई। मुंडे ने यह भी कहा कि ''वह पहले दिन से ही मांग कर रहे हैं कि सरपंच संतोष देशमुख के हत्यारों को फांसी दी जाए।'' उन्होंने कहा, हत्यारे मेरे सहित किसी के भी करीबी हों, फिर भी मैंने कहा है कि आरोपियों को सजा मिलनी चाहिए। इसके बावजूद, अगर मुझे निशाना बनाया जा रहा है, तो कोई भी समझ सकता है कि यह किस तरह की राजनीति है। बीड जिले से ताल्लुक रखने वाले मुंडे ने दावा किया, ''मेरे खिलाफ 'मीडिया ट्रायल' का क्या उद्देश्य हो सकता है... मुझे राजनीतिक रूप से खत्म करना।'' गृह विभाग संभाल रहे फडणवीस ने सरपंच की

कथित हत्या की न्यायिक जांच की घोषणा की है। बीड के मासाजोग गांव के सरपंच और जिले के एक लोकप्रिय जमीनी नेता संतोष देशमुख का नौ दिसंबर को दोपहर में अपहरण कर लिया गया था। कुछ घंटे बाद, उनका शव मिला था, जिस पर अत्यधिक यातना दिये जाने के निशान थे। सरपंच की हत्या कथित तौर पर उनके गांव के पास एक पवन ऊर्जा संयंत्र में जबरन वसूली के प्रयास में हस्तक्षेप करने के कारण हुई थी। पुलिस ने मामले के सिलसिले में कुछ गिरफ्तारियां की हैं। देशमुख की नृशंस हत्या को लेकर राज्य में राजनीतिक और सामाजिक हंगामा मचा हुआ है। इस घटना ने जिले में कानून और व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंताओं को रेखांकित किया है तथा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक सुरेश धास ने इसकी तुलना अफगानिस्तान के कंधार प्रांत में व्याप्त स्थिति से की है। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने सोमवार को बीड सरपंच हत्या मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए मुंडे को राज्य मंत्रिपरिषद से बर्खास्त करने की मांग की। पुलिस के अनुसार, सरपंच हत्या मामले के एक आरोपी विष्णु चाते ने बीड जिले में पवन चक्की लगाने वाली एक ऊर्जा कंपनी से कथित तौर पर 2 करोड़ रुपये की मांग की थी और मांग पूरी न होने पर कंपनी का संचालन बंद करने की धमकी दी थी। पुलिस के अनुसार देशमुख ने हस्तक्षेप करने और जबरन वसूली रोकने की कोशिश की थी, जिसके कारण उन्हें उनकी कार से अगवा कर लिया गया। आरोपियों ने सरपंच को कथित तौर पर प्रताड़ित किया और मार डाला, जिसके बाद चाते सहित सात लोगों के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज की गई। विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया है कि हत्या का मास्टरमाइंड वाल्मिक कराड है।

उच्चतम न्यायालय में टीडीएस प्रणाली को समाप्त करने के लिए जनहित याचिका दायर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय में बृहस्पतिवार को एक जनहित याचिका में स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) प्रणाली को रद्द करने की अपील की गई।

याचिका में टीडीएस को 'मनमाना व तर्कहीन' और समानता सहित विभिन्न मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करने वाला करार दिया गया है।

जनहित याचिका (पीआईएल) में आयकर अधिनियम के तहत स्रोत पर कर कटौती या टीडीएस ढांचे को चुनौती दी गई है, जिसके तहत भुगतानकर्ता द्वारा भुगतान के समय कर की कटौती और आयकर विभाग में इसे जमा करना अनिवार्य है। काटी गई राशि को भुगतानकर्ता की कर देयता के विरुद्ध समायोजित किया जाता है। अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय ने यह याचिका अधिवक्ता अश्विनी दुबे के जरिये न्यायालय में दायर की है। याचिका में केंद्र, विधि एवं न्याय मंत्रालय, विधि आयोग और नीति आयोग को पक्ष बनाया गया है। याचिका में टीडीएस प्रणाली को मनमाना, तर्कहीन तथा संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार), 19 (व्यवसाय करने का अधिकार) और 21 (जीवन तथा व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार) के विरुद्ध बताया गया है। न्यायालय से टीडीएस प्रणाली को समाप्त करने का निर्देश देने की अपील की गई है। इसमें उच्चतम न्यायालय से नीति आयोग को याचिका में उठाए गए मुद्दों पर विचार करने तथा टीडीएस प्रणाली में आवश्यक बदलाव का सुझाव देने का निर्देश जारी करने का भी अनुरोध किया गया है।

सुविचार

भगवान जब जगह है लेकिन हर मनुष्य के रूप में वो तुम्हारे समक्ष ही तो है। प्राणीमात्र को ईश्वर मानते हुए उसकी सेवा करो। यह ईश्वर की पूजा के समान ही फलदायी है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

घुसपैठियों पर अंकुश कब?

भारत के विभिन्न इलाकों में अवैध ढंग से रहने वाले बांग्लादेशियों के खिलाफ स्थानीय पुलिस की सख्त कार्रवाई की जरूरत है। विदेशी नागरिकों की घुसपैठ और अवैध प्रवास से भविष्य में गंभीर समस्याएं पैदा हो सकती हैं, जिसके मद्देनज़र पुलिस को सतर्क रहना चाहिए। महाराष्ट्र में मुंबई समेत चार अलग-अलग शहरों में ऐसे 17 बांग्लादेशियों को एटीएस ने गिरफ्तार किया है। ये तो वे लोग हैं, जो पकड़ में आ गए। मुंबई जैसे बड़े शहर में किसी घुसपैठिए का अपनी असल पहचान छिपाकर रहना कोई बहुत मुश्किल काम नहीं है। प्राय: शहरों में पड़ोसियों का एक-दूसरे से ज्यादा परिचय नहीं होता। इसका फायदा उठाकर कोई बांग्लादेशी घुसपैठिया महीनों या वर्षों से रह रहा हो तो लाखों लोगों की भीड़ में उसका पता लगाना बहुत मुश्किल होता है। फिर भी महाराष्ट्र एटीएस ने डेढ़ दर्जन बांग्लादेशियों को धर दबोचा, जिसके लिए उसके अधिकारियों की सराहना होनी चाहिए। इसी तरह दिल्ली पुलिस ने बांग्लादेशी नागरिकों की घुसपैठ करवाने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दर्जनभर लोगों को गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई भी सराहनीय है। अब सवाल यह उठता है कि हमारे देश में अवैध ढंग से डेरा डालकर बैठे ये बांग्लादेशी अंतरराष्ट्रीय सीमा से इतनी दूर कैसे आ गए? अगर बांग्लादेश से कोई व्यक्ति सीमा पार कर आएगा तो उसके लिए प. बंगाल में अपनी पहचान छिपाकर रहना सबसे ज्यादा आसान होगा। चूंकि वहां उसे भाषा, परिवेश, रहन-सहन, खानपान के मामले में तालमेल बैठाने में आसानी होगी। ये लोग दिल्ली और मुंबई में रह रहे थे! किसी में इतना दुस्साहस तभी पैदा होता है, जब वह कई चीजों को लेकर 'निश्चिंत' हो जाए।

पूर्व में आईं मीडिया रिपोर्टों से पता चलता है कि हमारे कई शहरों में अवैध बांग्लादेशी रह रहे हैं। जब ये इधर आते हैं, तब पुलिस को इनकी भनक कैसे नहीं लगती? कोई व्यक्ति इतनी दूर पैदल तो आएगा नहीं! उसके लिए ट्रेन सबसे सस्ता और सुविधाजनक जरिया होती है। हमारे खुफिया तंत्र को रेलवे स्टेशनों, ट्रेनों, बस अड्डों आदि जगहों पर कड़ी नजर रखनी चाहिए। इतने बड़े देश में अलग-अलग इलाकों के लोग सफर करते रहते हैं, जिनकी भाषा, पहनावे, खानपान आदि में बहुत भिन्नता होती है। उनके बीच बांग्लादेशियों की पहचान करना थोड़ा मुश्किल काम जरूर है, लेकिन यह नामुमकिन नहीं है। जिस तरह पाकिस्तानियों को उनके लहजे और कुछ खास आदतों से पहचाना जा सकता है, उसी तरह बांग्लादेशियों को भी पहचाना जा सकता है। इसके लिए अधिकारियों और पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। अगर कोई अवैध बांग्लादेशी किसी तरह हमारे शहर में ठिकाना बनाने में कामयाब हो जाए तो उसका पता लगाने के कई तरीके हैं। वह रोजमर्रा की जरूरतों के लिए उस इलाके के दुकानदारों, सब्जीवाले, दूध विक्रेता आदि से चीजें लेता ही है। पुलिस को चाहिए कि वह अपने इलाकों में मजबूत नेटवर्क खड़ा करे। अगर दृढ़ता से काम करेंगे तो कोई घुसपैठिया कितना ही शातिर क्यों न हो, वह एक-दो हफ्ते से ज्यादा बचकर नहीं रह सकता। यह देखने में आया है कि बांग्लादेशी घुसपैठियों को भारत में फर्जी दस्तावेज मुहैया कराने वाले कई गिरोह सक्रिय हैं। वे चंद रुपयों के लालच में अपने ही देश की सुरक्षा का सौदा कर रहे हैं। एक ओर जहां आम आदमी को अपने दस्तावेज बनवाने के लिए दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते हैं (यह प्रक्रिया डिजिटल होने से कुछ राहत मिली है), दूसरी ओर बांग्लादेशी घुसपैठिए आधार कार्ड, राशन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र जैसे दस्तावेज लेकर धड़ल्ले से रह रहे हैं। घुसपैठियों के मददगारों का अपराध ज्यादा गंभीर है। दोनों को ही सख्त सज़ाएं देकर कड़ा संदेश देना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

संसदीय क्षेत्र कोटा में आयोजित हैरिटेज वॉक में शहर के प्रबुद्धजन व गणमान्यों के साथ सम्मिलित हुआ। कोटा की ऐतिहासिक धरोहर, प्राचीन मंदिर, परकोटे और पारम्परिक बाजार हमारी पहचान होने के साथ ही सांस्कृतिक विरासत का जीवंत प्रमाण भी हैं।

-ओम बिरला

समतामूलक समाज के निर्माता, 'भारत रत्न' महामना पंडित मदन मोहन मालवीय जी ने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय की स्थापना कर आधुनिक शिक्षा पद्धति से युवाओं के चरित्र निर्माण की आधारशिला रखी थी।मालवीय जी सच्चे अर्थों में राष्ट्र आराधक थे।

-योगी आदित्यनाथ

उत्तराखंड में भीमताल के निकट बस के दुर्घटनाग्रस्त होने का समाचार अत्यंत दु:खद और पीड़ादायक है। बाबा केदार जी से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान और घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

-राज्यवर्धनसिंह राठौड़

प्रेरक प्रसंग

करुणा का कलश

प्राचीन काल में काशी नगरी में एक गरीब ब्राह्मण परिवार में जन्मे एक बालक को बचपन से ही पेड़-पौधों और औषधियों में गहरी रुचि थी। वह घंटों जंगल में घूमता और विभिन्न पौधों का अध्ययन करता। एक दिन जंगल में उसकी मुलाकात एक वृद्ध तपस्वी से हुई। तपस्वी ने देखा कि बालक के हाथ में एक दुर्लभ जड़ी-बूटी है। बालक ने बताया कि वह इसका उपयोग एक गरीब किसान की बीमार गाय के इलाज के लिए करने जा रहा है। तपस्वी ने पूछा, 'तुम्हें कैसे पता चला कि यह जड़ी-बूटी उस गाय के लिए उपयोगी होगी?' बालक ने विनम्रतापूर्वक उत्तर दिया, 'गुरुदेव, मैंने देखा है कि जब पशु बीमार होते हैं, तो वे स्वयं ही कुछ विशेष पौधों की खोज करते हैं।' बालक की प्रतिभा और करुणा से प्रभावित होकर तपस्वी ने उसे आयुर्वेद का ज्ञान देना शुरू कर दिया। वही बालक आगे चलकर 'महर्षि धन्वंतरि' के नाम से प्रसिद्ध हुआ। एक बार भयंकर महामारी के दौरान जब सभी चिकित्सकों ने हार मान ली, तब धन्वंतरि अमृत कलश लेकर गांव-गांव गए और लोगों का इलाज किया। उन्होंने कभी अमीर-गरीब में भेद नहीं किया।

सामयिक

कर्मचारियों की कमी से जूझती शासन व्यवस्था

प्रियंका सौरभ
मोबाइल : 7015375570

भारतीय शासन व्यवस्था को अक्सर 'लोगों की कमी' लेकिन 'प्रक्रियाओं की कमी' के रूप में वर्णित किया जाता है, जो कि प्रभावी शासन के लिए उपलब्ध बड़ी प्रशासनिक मशीनरी और सीमित मानव संसाधनों के बीच असंतुलन को दर्शाता है। जबकि नौकरशाही प्रक्रियाएँ अच्छी तरह से स्थापित हैं, कर्मियों की कमी कुशल कार्यान्वयन में बाधा डालती है। यह विरोधाभास देरी, अक्षमताओं और अपर्याप्त सार्वजनिक सेवा वितरण का कारण बनकर शासन को प्रभावित करता है, जिससे नागरिकों की जरूरतों के प्रति राज्य की जवाबदेही कम होती है। शासन व्यवस्था को 'लोगों की कमी' लेकिन 'प्रक्रियाओं की कमी' के रूप में वर्णित किया जाता है। भारतीय राज्य में प्रति व्यक्ति सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारियों की संख्या कम है, जिसके परिणामस्वरूप जटिल शासन चुनौतियों का समाधान करने के लिए कर्मियों की कम उपस्थिति है। भारत में प्रति मिलियन केवल 1,600 केंद्रीय सरकारी कर्मचारी हैं, जबकि अमेरिका में प्रति मिलियन 7,500 हैं, जिससे राज्य की दक्षता प्रभावित होती है। कम सिविल सेवकों के बावजूद, नौकरशाही लाइसेंसिंग, परमिट और मंजूरी जैसी जटिल प्रक्रियाओं में फंसी हुई है। व्यवसाय शुरू करने के लिए मंजूरी, परमिट और अनुमोदन की भूलभुलैया से गुजरना पड़ता है जो प्रगति में बाधा डालते हैं और परिणामों में देरी करते हैं। भारतीय राज्य में स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और पुलिसिंग जैसे प्रमुख क्षेत्रों में पर्याप्त संख्या में कुशल पेशेवरों की कमी है। भारतीय रिजर्व बैंक के पास केवल 7,000 कर्मचारी हैं, जबकि अमेरिकी फेडरल रिजर्व में 22,000 कर्मचारी हैं, जो राष्ट्रीय वित्तीय स्थिरता के प्रबंधन में प्रभावशीलता को सीमित करता है। नीति-निर्माण अत्यधिक केंद्रीकृत है, लेकिन कार्यान्वयन सीमित फ्रंटलाइन कर्मियों द्वारा की जाने वाली एक बोझिल प्रक्रिया बनी हुई है।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण परियोजनाओं को क्रियान्वित करता है, जबकि नीति निर्माण मंत्रालय स्तर पर रहता है, जिससे देरी और लागत में कमी आती है। सरकारी कर्मचारियों का छोटा आकार अधिकारियों पर अत्यधिक बोझ डालता है, जिससे प्रभावी नीति निष्पादन मुश्किल हो जाता है। अपर्याप्त जनशक्ति और अत्यधिक प्रक्रियाओं के कारण सेवाओं में देरी होती है, क्योंकि अधिकारी काम की मात्रा को संभालने के लिए संघर्ष करते हैं। बोझिल विनियामक मंजूरी और अग्रिम पंक्ति के निर्णय लेने वाले प्राधिकरण की कमी के कारण बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं को लागत में वृद्धि और देरी का सामना करना पड़ता है। नीति निर्माण और निष्पादन का विभाजन निर्णय लेने वालों और सेवा कार्यान्वयनकर्ताओं के बीच एक वियोग पैदा करता है, जिससे खराब प्रदर्शन के लिए जवाबदेही कम हो जाती है। जब सड़क निर्माण परियोजनाओं में समस्याएँ आती हैं, तो मंत्रालयों और कार्यान्वयनकर्ताओं के बीच निगरानी के लिए स्पष्ट ज़िम्मेदारी की अनुपस्थिति के कारण दोषारोपण और अक्षमताएँ होती हैं। सरकार के भीतर कौशल की कमी के कारण महत्वपूर्ण कार्यों के लिए निजी परामर्श फर्मों पर निर्भरता बढ़ जाती है, जिससे सार्वजनिक व्यय बढ़ जाता है। भारत सरकार ने उन कार्यों के लिए परामर्श शुल्क पर 500 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए, जिन्हें बेहतर प्रशिक्षित अधिकारियों के साथ घर में ही प्रबंधित किया जा सकता था। नौकरशाही की जटिल प्रक्रियाएँ जोखिम लेने और विवेकाधीन निर्णय लेने से परहेज़ पैदा करती हैं, जिससे नवाचार बाधित होता है और अनुकूलन धीमा होता है। उच्च सार्वजनिक क्षेत्र के वेतन और नौकरी की सुरक्षा के साथ प्रोत्साहनों का गलत संरेखण ऐसे लोगों को आकर्षित करता है जो सामाजिक सेवा के बजाय वित्तीय लाभ से प्रेरित होते हैं। लोगों की कमी को दूर करने के लिए विभिन्न स्तरों पर योग्य पेशेवरों की भर्ती बढ़ाएँ, जिससे कुशल कार्यबल सुनिश्चित हो। मिशन कर्मयोगी जैसे पार्श्व प्रवेश कार्यक्रम और विशेष प्रशिक्षण पहल सिविल सेवकों के कौशल और दक्षता में सुधार कर सकते हैं। कार्यान्वयन से संबंधित निर्णय लेने, जवाबदेही में सुधार और प्रक्रियाओं को गति देने के लिए प्रत्यायोजित अधिकार के साथ फ्रंटलाइन कर्मियों को सशक्त बनाएँ। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के समान नीतियों को क्रियान्वित करने में फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं को अधिक नियंत्रण देने से देरी कम होती है और दक्षता में सुधार होता है।

लाइसेंस और मंजूरी के बोझ को कम करने के लिए नौकरशाही प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करें, जिससे नागरिकों और व्यवसायों के लिए सार्वजनिक सेवाओं तक पहुँच आसान हो। परमिट और अनुमोदन के लिए वन-स्टॉप समाधान प्रदान करने वाले ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म जटिलता को कम कर सकते हैं और प्रक्रियाओं को गति दे सकते हैं। मध्यम वेतन सुधार लागू करें जो सार्वजनिक क्षेत्र के वेतन को निजी क्षेत्र के मुआवजे के साथ संरेखित करते हैं, भ्रष्टाचार को हतोत्साहित करते हैं और सामाजिक सेवा से प्रेरित व्यक्तियों को आकर्षित करते हैं। प्रदर्शन से जुड़े प्रोत्साहनों को लागू करना और प्रतिस्पर्धी, लेकिन उचित वेतन सुनिश्चित करना सामाजिक सोच वाले पेशेवरों के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के आकर्षण को बढ़ा सकता है। निरीक्षण और जवाबदेही तंत्र को मजबूत करें: नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक और केंद्रीय सतर्कता आयोग जैसी एजेंसियों में सुधार करें ताकि ऑडिट और जांच को अधिक प्रासंगिक बनाया जा सके और केवल अनुपालन के बजाय नीति उद्देश्यों पर ध्यान केंद्रित किया जा सके। निरीक्षण एजेंसियों को नीतिगत निर्णयों की जटिलताओं के प्रति संवेदनशील बनाने से यह सुनिश्चित होगा कि वे संदर्भ को समझें, जिससे मुकदमेबाजी और परियोजना निष्पादन में देरी कम होगी। भारत के लोगों की संख्या 'कम' लेकिन प्रक्रियाओं की संख्या 'अधिक' होने के कारण शासन में अधिक जवाबदेही और दक्षता की आवश्यकता है। मानव संसाधनों को मजबूत करना, निर्णय लेने को विकेंद्रीकृत करना और प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना सार्वजनिक सेवा वितरण को सुव्यवस्थित कर सकता है, जिससे बेहतर पहुंच और जवाबदेही सुनिश्चित हो सकती है। भविष्य-केंद्रित दृष्टिकोण को क्षमता निर्माण और पारदर्शिता पर जोर देना चाहिए, जिससे अधिक जन-केंद्रित और प्रभावी शासन प्रणाली को बढ़ावा मिले।

ज्ञान विज्ञान

रिसर्चर्स ने इंटरनेट वाली केबल से क्वांटम टेलीपोर्टेशन करके दिखाया

रिसर्चर्स ने फाइबर-ऑप्टिक इंटरनेट केबल के जरिए क्वांटम टेलीपोर्टेशन करके दिखाया है। इस दौरान, उस केबल के जरिए इंटरनेट डेटा का ट्रांसफर भी होता रहा। क्वांटम टेलीपोर्टेशन, क्वांटम एंटैंगल्ड कणों का इस्तेमाल करके बड़ी दूरियों तक सूचना भेजने-रिसीव करने का एक जरिया है। जर्नल ऑप्टिका (?) जर्नल में छपी स्टडी में, रिसर्चर्स ने कहा कि इस कामयाबी का मतलब है कि क्वांटम कम्युनिकेशन के लिए मौजूदा इंफ्रास्ट्रक्चर इस्तेमाल हो सकता है। लीड रिसर्चर और अमेरिका की नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर, प्रेम कुमार ने कहा, 'यह बेहद उत्साहित करने वाला है क्योंकि किसी ने नहीं सोचा था कि यह संभव है।'

कुमार ने कहा कि 'हमारी रिसर्च दिखाती है कि अगली पीढ़ी के क्वांटम और क्लासिकल नेटवर्क्स एक यूनिफाइड फाइबर ऑप्टिक इंफ्रास्ट्रक्चर की मदद से चलाए जा सकते हैं। मूल रूप से, यह क्वांटम कम्युनिकेशन को अगले लेवल तक ले जाने का रास्ता खोलता है।' उन्होंने बताया, 'ऑप्टिकल कम्युनिकेशन में, सारे सिग्नल प्रकाश में कन्वर्ट किए जाते हैं। यानी उनमें प्रकाश के करोड़ों कण होते हैं, जबकि क्वांटम इंफॉर्मेशन में इकलौते फोटॉन यूज किए जाते हैं।'

चूंकि, इंटरनेट केबल्स प्रकाश के कणों से भरी होती हैं, इसलिए यह माना गया था कि वे क्वांटम टेलीपोर्टेशन के लिहाज से ठीक नहीं होंगी क्योंकि अकेला फोटॉन खोकर रह जाएगा। लेकिन रिसर्चर्स ने एक प्रकाश की एक खास वेवलेंथ का पता लगाया है जो स्पेशल फिल्टर लगाने पर उस शोर को कम कर सकती है। कुमार ने कहा, 'हमने पाया कि हम क्लासिकल चैनल्स की मौजूदगी में भी, उनकी दखलअंदाजी के बिना क्वांटम कम्युनिकेशन कर सकते हैं।'

अपनी थ्योरी को टेस्ट करने के लिए, टीम ने 30 किलोमीटर लंबा फाइबर-ऑप्टिक केबल बिछाया। वे इसके जरिए क्वांटम इंफॉर्मेशन और इंटरनेट ट्रैफिक को एक साथ भेजने में सक्षम थे। अब रिसर्च टीम इसी प्रयोग को लंबी केबल्स के साथ दोहराने की कोशिश कर रही है। वे मानक अंडरग्राउंड केबल का भी इस्तेमाल करने की सो रहे हैं।

नजरिया

महिलाओं का समग्र विकास अपरिहार्य

संजीव ठाकुर
मोबाइल : 9009 415 415

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की रिपोर्ट के अनुसार महिलाओं को समान पदों पर कार्यरत पुरुषों की तुलना में कम वेतन दिया जाता है तथा अधिकांश शीर्ष पदों पर पुरुषों का कब्जा है के अलावा दुनिया की सबसे कम तनखा वाली नौकरियों में 60 प्रतिशत महिलाएं ही हैं। महिलाओं द्वारा अनेक चुनौतियों का सामना करते हुए पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाते हुए कार्यस्थल पर कार्य करते हुए देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

निश्चित तौर पर हर रात की सुबह होती है भारत में महिलाओं की मुक्ति का प्रश्न स्वतंत्रता एवं भारत की मुक्ति के साथ अनिवार्य रूप से जुड़ गया है। स्वतंत्र काल से जुड़ी हुई महिला सशक्तिकरण की यात्रा आज तक अनवरत जारी है। आज भी महिलाएं सामाजिक राजनीतिक आर्थिक एवं सांस्कृतिक सभी मोर्चों और सवालों पर पुरुषों के समकक्ष संघर्ष करती नजर आ रही है। आज राष्ट्र निर्माण में नारी अपनी भूमिका से न केवल परिचित है बल्कि उसकी गंभीर जिम्मेदारी का निर्वहन करने के लिए भी तत्पर व सक्षम है। वर्तमान में भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्थाओं में से एक है।

भारत विकास की दर आज बड़ी से बड़ी वैश्विक शक्ति से टक्कर लेने की जद पर है। विकास की गाथा में देश की आधी आबादी यानी महिलाओं की भूमिका बढ़ती जा रही है। अनेक सामाजिक आर्थिक विसंगतियों के बावजूद आज हर मोर्चे पर महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी होती दिखाई दे रही है। यह आत्मविश्वास उन्हें सदियों के संघर्ष के बाद हासिल हुआ है, प्राचीन काल में अपाला तथा गोसा जैसी विदुषी महिलाओं ने अपनी कीर्ति पताका फैलाई थी, भारतीय समाज में उन्हें सम्मान और बराबरी का दर्जा दिया गया है, परंतु मध्यकाल में भारत अपनी संकुचित एवं संकट दृष्टि का शिकार हो गया था महिलाओं को घर की चारदीवारी में क्या होना पड़ा थाश्र इसी के साथ कैद हो गई थी उनकी योग्यता, ऊर्जा, शक्ति, आकांक्षाएं और व्यक्तित्व विकास की संभावनाएं। भारत एवं भारत के बाहर विदेशों में भारतीय मूल की ऐसे सैकड़ों महिलाएं हैं जिन्होंने भारत देश का नाम रोशन किया है उनके नाम की सूची बड़ी लंबी है उनका उल्लेख न करते हुए समग्र रूप से उनका नमन करते हुए यह बताना चाहूंगा कि महिलाएं निरंतर उच्च पदों पर आसीन हो रही है। इन सब के साथ सबसे पुराने बजट तथा घर के अर्थशास्त्र को संभालने की भूमिका का भी कुशलतापूर्वक सदियों से प्रबंधन करती आ रही है। इसके साथ ही वे अपनी शैक्षणिक योग्यता में निरंतर सुधार कर रही है जनसंख्या गणना के आंकड़े भी इसकी पुष्टि करते हैं, महिलाएं जहां शिक्षा, प्रशासन,मेडिकल क्षेत्र, इंजीनियरिंग, स्पेस रिसर्च, विज्ञान टेक्नोलॉजी और उद्यानिकी, एग्रीकल्चर, सेरीकल्चर और तमाम क्षेत्रों में असाधारण रूप से शिक्षा प्राप्त कर प्रगति कर रही और उच्च पदस्थ होकर कार्यों का कुशलता से संपादन कर रही हैं।

सामाजिक कुरीतियों के विरोध में समाज को आगाह करने और उसका विरोध करने में भी महिलाएं पीछे नहीं है, फिर चाहे वह शनि सिंगनापुर हाजी अली दरगाह या तीन तलाक के मामले में इनकी सजगता ने सामाजिक परिवर्तन लाया है। सरकार भी इनकी इस भूमिका को स्वीकार करते हुए थल जल और वायु सेना में युद्धक की भूमिका में इनकी नियुक्ति कर रही है। हम यदि राजनीतिक क्षेत्र की चर्चा करें तो पंचायती स्तरों पर महिला प्रधानों ने गंभीर परिवर्तन के प्रयास किए, किंतु हमें यहां हमेशा स्मरण रखना चाहिए की देश के आर्थिक विकास में अभी भी महिलाओं को वह भागीदारी व सम्मान नहीं मिल पा रहा है जिसके लिए वह पूर्णरूपेण हकदार है।

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया की श्रम बल भागीदारी में महिलाओं की भागीदारी 25 प्रतिशत से भी कम हो गई है। महिलाओं को अनेक सामाजिक आर्थिक सांस्कृतिक एवं मनोवैज्ञानिक चुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की रिपोर्ट के अनुसार महिलाओं को समान पदों पर कार्यरत पुरुषों की तुलना में कम वेतन दिया जाता है तथा अधिकांश शीर्ष पदों पर पुरुषों का कब्जा है के अलावा दुनिया की सबसे कम तनखा वाली नौकरियों में 60 प्रतिशत महिलाएं ही हैं। महिलाओं द्वारा अनेक चुनौतियों का सामना करते हुए पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाते हुए कार्यस्थल पर कार्य करते हुए देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इन परिस्थितियों में महिलाओं द्वारा दिए गए सामाजिक आर्थिक विकास के योगदान को पहचानते हुए सरकार ने मातृत्व लाभ अधिनियम 2016 तथा यौन उत्पीड़न अधिनियम 2013 के माध्यम से अनुकूल वातावरण तथा महिलाओं को मातृत्व अवकाश देने के कई अच्छे प्रावधान भी उपलब्ध कराए हैं।

इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड अपने आंकड़ों से स्पष्ट करता है की किस प्रकार महिलाओं की श्रमबल में अधिक भागीदारी जीडीपी में अप्रत्याशित वृद्धि करता है। पूरा विश्व इस बात से सहमत है की महिलाएं कोमल है पर कमजोर नहीं एवं शक्ति का नाम ही नारी है। हिंदुस्तान के विकास में सही मायने में यदि 50 फीसदी भागीदारी महिलाओं की हो तो असाधारण क्षमता की धनी महिलाएं इस देश को विश्व के अन्य विकसित देशों में खड़ा कर सकती हैं, जरूरत इनकी शक्ति क्षमता एवं योग्यता को पहचानने की है। 21वीं सदी में विश्व शक्ति रूप भारत के सामाजिक आर्थिक एवं राजनीतिक विकास में महिलाओं का सर्वांगीण विकास को आधार बनाकर आर्थिक महाशक्ति के स्वप्न को साकार किया जा सकता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जापान एयरलाइंस पर साइबर हमला

छुट्टियों के मौसम में उड़ानों में देरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तोक्यो/एपी। जापान एयरलाइंस (जेएएल) ने कहा कि बृहस्पतिवार को उस पर साइबर हमला होने के कारण उसकी 20 से ज़्यादा घरेलू उड़ानों में देरी हुई, लेकिन उसने कुछ घंटों बाद अपने सिस्टम को बहाल कर लिया तथा उड़ान सुरक्षा पर भी कोई असर नहीं पड़ा।

जेएएल ने कहा कि समस्या बृहस्पतिवार की सुबह तब शुरू हुई जब कंपनी के आंतरिक और बाहरी सिस्टम को जोड़ने वाले नेटवर्क में खराबी आने लगी। एयरलाइन ने कहा कि उसने इसका कारण यह पता लगाया कि यह हमला नेटवर्क सिस्टम को डेटा के बड़े पैमाने पर प्रसारण से बाधित करने के उद्देश्य से किया गया था। इस तरह के हमले सिस्टम या नेटवर्क को तब तक बेहद व्यस्त कर देते हैं जब तक कि लक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिल जाती या सिस्टम क्रैश नहीं हो जाता। जेएएल ने कहा कि इस हमले में कोई वायरस शामिल नहीं था और न ही इससे ग्राहकों का कोई डेटा लीक हुआ। उसने कहा कि सुबह तक साइबर हमले के कारण 24 घरेलू उड़ानों में 30 मिनट से ज़्यादा देरी हुई। विशेषज्ञों ने जापान की साइबर सुरक्षा की कमज़ोरी के बारे में बार-बार चिंता जताई है, ख़ास तौर पर तब जब देश अपनी रक्षा क्षमताओं को बढ़ा रहा है और अमेरिका तथा अन्य भागीदारों के साथ मिलकर काम कर रहा है, जहाँ साइबर सुरक्षा बहुत ज़्यादा कड़ी है। जापान ने कदम उठाए हैं, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि और काम करने की ज़रूरत है।

जून में, जापान की अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि उसे 2023 से साइबर हमलों का लगातार सामना करना पड़ा है, हालांकि रॉकेट, उपग्रहों और रक्षा से संबंधित संवेदनशील जानकारी प्रभावित नहीं हुई है। एजेंसी निवारक उपाय करने के लिए जांच कर रही है। पिछले साल, एक साइबर हमले ने नागोया शहर के एक बंदरगाह पर एक कंटेनर टर्मिनल पर तीन दिनों तक परिचालन को ठप कर दिया था।

बृहस्पतिवार को प्रस्थान करने वाली घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों उड़ानों के लिए जेएएल की टिकट बिक्री अस्थायी रूप से रोक दी गई थी, लेकिन बाद में यह फिर से शुरू हो गई। मुख्य कैबिनेट सचिव योशिमासा हयाशी ने बृहस्पतिवार को एक नियमित संवाददाता सम्मेलन में बताया कि परिवहन मंत्रालय ने जेएएल को सिस्टम को बहाल करने और प्रभावित यात्रियों को समायोजित करने के प्रयासों में तेजी लाने के लिए कहा है। टेलीविजन फुटेज में तोक्यो के हानेडा हवाई अड्डे पर कई यात्री टर्मिनलों में भीड़ दिखी, क्योंकि यह हमला साल के अंत में छुट्टियों के मौसम में हुआ। नए साल की छुट्टियों के लिए इस सप्ताहांत से कार्यालय बंद हो जाएंगे। यह साल का सबसे बड़ा उत्सव है, जब लाखों लोग शहरों से अपने गृहनगर वापस जाते हैं।

विनिर्माण में देश की अर्थव्यवस्था को बदल देने की क्षमता : चंद्रशेखरन

नई दिल्ली/भाषा। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत की तरफ वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं के बढ़ते रुझान को देखते हुए विनिर्माण क्षेत्र देश की अर्थव्यवस्था को बदल देने की क्षमता रखता है। नमक से लेकर सॉफ्टवेयर तक बनाने वाले टाटा समूह की नियंत्रक कंपनी के प्रमुख ने कर्मचारियों को नए साल के अपने संदेश में कहा कि मौजूदा वक्त भारत के लिए विनिर्माण का 'नया स्वर्णिम युग' है। चंद्रशेखरन ने वर्ष 2024 में टाटा समूह के मानद चेयरमैन रतन टाटा के निधन से उपजे दुख का जिक्र करते हुए कहा कि अब आशा और आशावाद की भावना के साथ' 2025 की ओर देख रहे हैं। उन्होंने अपने संदेश में कहा, जहां स्वास्थ्य सेवा और परिवहन क्षेत्र में कृत्रिम मेधा (एआई) की अगुवाई वाली उपलब्धियां पूरी मानवता की मदद कर सकती हैं वहीं विनिर्माण क्षेत्र के भीतर भारत की अर्थव्यवस्था को बदलने की क्षमता है। चंद्रशेखरन ने कहा, वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं का भारत की तरफ रुख करना जारी है क्योंकि दुनिया के सबसे बड़े व्यवसाय जुझारूपन और दक्षता के बीच एक नया संतुलन बना रहे हैं। (कोविड-19) महामारी के समय एक अल्पकालिक प्रतिक्रिया की तरह लगने वाला यह रुझान कहीं अधिक स्थायी साबित हुआ है।

उन्होंने अगले आधे दशक में पांच लाख विनिर्माण नौकरियां पैदा करने की टाटा समूह की योजनाओं को दोहराते हुए कहा कि ये रोजगार के अवसर बैटरी, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी), सौर उपकरण और अन्य महत्वपूर्ण हार्डवेयर का उत्पादन करने वाले कारखानों और परियोजनाओं में निवेश से पैदा होंगे। चंद्रशेखरन ने कहा कि पांच लाख नई नौकरियां सेवा क्षेत्र की उन नौकरियों के अलावा होंगी जिन्हें खुदरा, प्रौद्योगिकी सेवाओं, एयरलाइंस और आतिथ्य जैसे क्षेत्रों में पैदा होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि टाटा समूह के सात से अधिक नए विनिर्माण संयंत्रों में भूमिपूजन समारोह और निर्माण कार्य शुरू हो गया है। इनमें गुजरात के धोलेरा में भारत का पहला सेमीकंडक्टर फैब और असम में एक नया सेमीकंडक्टर ओएसएटी संयंत्र शामिल है। चंद्रशेखरन ने कहा, इस तरह के कदम हमारे समूह और भारत के लिए रोमांचक हैं लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि वे हर महीने कार्यबल का हिस्सा बनने वाले 10 लाख युवाओं को उम्मीद देते हैं। टाटा संस के मुखिया ने कहा, मैं आशा और आशावाद की भावना के साथ 2025 की ओर देख रहा हूं। भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत है और इस दौर के बड़े रुझान हमारे पक्ष में हैं।

श्रीलंका में सुनामी के दो दशक पूरे होने पर दो मिनट का मौन रखा गया

कोलंबो। श्रीलंका में भीषण तबाही मचाने वाली सुनामी के 20 साल पूरे होने पर बृहस्पतिवार को दो मिनट का मौन रखा गया। इस सुनामी में द्वीपीय देश के 30,000 से अधिक लोग मारे गए थे। श्रीलंका 26 दिसंबर को 'राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस' के रूप में मनाया जाता है। मुख्य स्मृति समारोह दक्षिणी प्रांत कोलंबो से लगभग 90 किलोमीटर दूर पेरालिये में आयोजित किया गया, जहां सुनामी के कारण हुई दुनिया की सबसे भीषण रेल त्रासदी में 3,000 से अधिक लोग मारे गए थे। यह सुनामी 9.1 तीव्रता के भूकंप से आयी थी और इसे सबसे पहले द्वीप के पूर्वी तट पर महसूस किया गया। इसके बाद यह दक्षिण की ओर बढ़ी और इससे बड़े पैमाने पर तबाही हुई। कोलंबो से दक्षिणी शहर मटारा जा रही ट्रेन 26 दिसंबर, 2004 को सुबह 9:25 बजे सुनामी की तेज लहरों की चपेट में आ गई और कुछ ही समय में ट्रेन और उसकी पटरियां क्षतिग्रस्त हो गईं और उसमें सवार सभी लोग मारे गए।

स्थानीय बौद्ध मंदिर के प्रमुख और अब पीड़ितों की याद में बनाए गए स्मारक के रखरखाव के लिए बोर्ड के प्रभारी परालिये विमाला ने कहा, यह दुनिया की सबसे बड़ी रेल दुर्घटना थी, जिसमें 3,000 से अधिक लोग मारे गए। रेवरेंड विमला ने कहा कि गांव के 3,000 से अधिक सुनामी पीड़ितों को स्मारक के दोनों ओर स्थित तीन सामूहिक कब्रों में दफनाया गया था। बृहस्पतिवार सुबह 9.25 बजे ट्रेन उसी जगह पर रुकी जहां 20 साल पहले सुनामी की लहरें आई थीं। कुछ पीड़ितों के रिश्तेदार पास के स्मारक पर श्रद्धांजलि देने के लिए फूल लेकर जाते देखे गए। इस त्रासदी में अपने ससुर और छह साल की भतीजी को खोने वाली तुशांति जयानी ने कहा, मैं इसके बारे में बात नहीं करना चाहती, 20 साल बाद यह बहुत दुखद है।

मशहूर उपन्यासकार बापसी सिधवा का 86 साल की उम्र में निधन

ह्यूस्टन/भाषा। दक्षिण एशिया की प्रख्यात उपन्यासकार बापसी सिधवा का अमेरिका के ह्यूस्टन में बुधवार को निधन हो गया। वह 86 साल की थीं। सिधवा के भाई फिरोज भंडारा ने बताया कि ह्यूस्टन में अंतिम संस्कार से पहले लेखिका का शव तीन दिनों तक अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा, जिस दौरान कई श्रद्धांजलि सभाएं आयोजित की जाएंगी। कराची के एक प्रतिष्ठित पारसी परिवार में 11 अगस्त 1938 को पैदा हुई सिधवा जन्म के कुछ समय बाद लाहौर चली गईं, जहां उन्होंने अधिकांश जीवन बिताया। उन्हें पाकिस्तान की प्रभावशाली लेखिकाओं में से एक माना जाता है। उनकी रचनाओं को इतिहास और संस्कृति के जीवंत चित्रण के लिए वैश्विक स्तर पर प्रशंसा मिली। सिधवा के सबसे लोकप्रिय उपन्यास 'आइस कैंडी मैन' में 1947 के भारत-पाक बंटवारे की भयावहता को दर्शाया गया है। बाद में भारतीय-कनाडाई फिल्म निर्माता दीपा मेहता ने इस उपन्यास पर आधारित फिल्म 'अर्थ' बनाई, जिसे समीक्षकों की खूब वाहवाही मिली। 'अर्थ' में पोलियो से संक्रमित एक बच्ची को 1947 के भारत-पाकिस्तान बंटवारे की भयावहता को महसूस करते दिखाया गया था। सिधवा खुद बचपन में इस मंजर की गवाह रही थीं। 'आइस कैंडी मैन' को बीबीसी के 100 सबसे प्रभावशाली उपन्यासों की सूची में जगह दी गई थी। सिधवा के पहले उपन्यास 'द क्रो ईटर्स' ने भी पारसी जीवन और इतिहास के जीवंत चित्रण के लिए उन्हें व्यापक पहचान दिलाई थी। 'क्रैकिंग इंडिया', 'एन अमेरिकन ब्रैट', 'द पाकिस्तानी ब्राइड' और 'वॉटर' उनके अन्य लोकप्रिय उपन्यास थे।

चीन ने भारत सीमा के पास ब्रह्मपुत्र नदी पर बांध निर्माण को मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीजिंग/भाषा। चीन ने भारतीय सीमा के नजदीक तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया के सबसे बड़े बांध के निर्माण को मंजूरी दे दी है जिससे भारत और बांग्लादेश में चिंता बढ़ गई है। इस बांध परियोजना को दुनिया की सबसे बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजना बताया जा रहा है जिसकी लागत 137 अरब अमेरिकी डॉलर है। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बुधवार को एक आधिकारिक बयान के हवाले से बताया कि चीन सरकार ने यारलुंग जांग्बो नदी (ब्रह्मपुत्र का तिब्बती नाम) के निचले इलाकों में एक जलविद्युत परियोजना के निर्माण को मंजूरी दे दी है।

यह बांध हिमालय की एक विशाल घाटी में बनाया जाएगा, जहां ब्रह्मपुत्र नदी एक विशाल 'यू-टर्न' लेकर अरुणाचल प्रदेश और फिर बांग्लादेश में बहती है। हांगकांग के साउथ 'चाइना मॉर्निंग पोस्ट' ने बृहस्पतिवार को बताया कि बांध में कुल निवेश 137 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो सकता है। इस बांध के आगे चीन का थ्री गॉर्जेस बांध सहित धरती पर कोई भी अन्य एकल बुनियादी ढांचा परियोजना छोटी पड़ जाएगी। भारत में इस बात को लेकर चिंता उत्पन्न हो गई है कि इस बांध से चीन को जल प्रवाह को नियंत्रित करने का अधिकार तो मिलेगा ही, साथ ही इसके आकार और पैमाने को देखते हुए यह चीन को शत्रुता के समय सीमावर्ती क्षेत्रों में भारी मात्रा में पानी छोड़ने में भी सक्षम बना देगा। भारत भी अरुणाचल प्रदेश में ब्रह्मपुत्र पर बांध बना रहा है। भारत और चीन ने सीमा पार नदियों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने के लिए 2006 में एक विशेषज्ञ स्तरीय तंत्र (ईएलएम) की स्थापना की थी, जिसके तहत चीन बाढ़ के मौसम के दौरान भारत को ब्रह्मपुत्र नदी और सतलुज नदी पर जल विज्ञान संबंधी जानकारी प्रदान करता है। भारत, चीन के सीमा मुद्दों पर विशेष प्रतिनिधियों राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी के बीच 18 दिसंबर को यहां हुई वार्ता में सीमा पार की नदियों के बारे में डेटा साझा करने का मुद्दा उठा था। विदेश मंत्रालय के एक बयान में कहा गया कि विशेष प्रतिनिधियों ने सीमा पार नदियों पर डेटा साझा करने सहित सीमा पार सहयोग और आदान-प्रदान के लिए सकारात्मक दिशा-निर्देश दिए। ब्रह्मपुत्र बांध में इंजीनियरिंग की बहुत बड़ी चुनौतियां हैं, क्योंकि परियोजना स्थल टेक्टोनिक प्लेट क्षेत्र से लगा हुआ है, जहां भूकंप आते हैं। दुनिया की छत माने जाने वाले तिब्बती पठार में अक्सर भूकंप आते रहते हैं, क्योंकि यह टेक्टोनिक प्लेट के ऊपर स्थित है।

शेयर बाजारों में 2024 में छोटी कंपनियों के शेयरों का रहा दबदबा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। शेयर बाजार में बड़े पैमाने पर आशावादी रुख और खुदरा निवेशकों की प्रभावशाली भागीदारी से मदद मिली तथा दलाल स्ट्रीट के छोटी कंपनियों के शेयरों ने 2024 में निवेशकों को अच्छा रिटर्न' देते हुए अपना दबदबा बनाए रखा। विश्लेषकों ने शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख का श्रेय मजबूत घरेलू नगदी, भारतीय अर्थव्यवस्था के मजबूत बुनियादी ढांचे और नीतिगत निरंतरता को दिया, जहां सूचकांकों ने इस वर्ष कई रिकॉर्ड तोड़े।

बाजार विशेषज्ञ अगले वर्ष के लिए मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों के प्रति आशावादी हैं, जो मजबूत घरेलू खपत तथा सरकारी बुनियादी ढांचे पर खर्च जैसे कारकों से प्रेरित है। इस साल 23 दिसंबर तक बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक 12,144.15 अंक या 28.45 प्रतिशत उछला है, जबकि मिडकैप सूचकांक 9,435.09 अंक या 25.61 प्रतिशत चढ़ा है। वहीं बीएसई सेंसेक्स 6,299.91 अंक या 8.72 प्रतिशत चढ़ा है। मास्टर कैपिटल सर्विसेज लिमिटेड की निदेशक पलका अरोड़ा चोपड़ा ने कहा, क्षेत्रीय वृद्धि, नीति समर्थन और निवेशकों की रुचि के कारण स्मॉलकैप तथा मिडकैप सूचकांकों ने 2024 में बेहतर प्रदर्शन किया। रियल एस्टेट, इंफ्रास्ट्रक्चर, हेल्थकेयर और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे प्रमुख क्षेत्र, जिनका इन सूचकांकों में भारी प्रतिनिधित्व है, सरकारी पहलों तथा अनुकूल बाजार स्थितियों से लाभान्वित हुए।''

उन्होंने कहा, ''बढ़ती घरेलू खपत, प्रौद्योगिक उन्नति और उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना जैसे कार्यक्रमों के दम पर छोटी कंपनियों की आय में वृद्धि में सुधार हुआ जिससे उन्हें मजबूती मिली।'' बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक इस साल 12 दिसंबर को 57,827.69 अंक के अपने सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया, जबकि मिडकैप सूचकांक 24 सितंबर को 49,701.15 अंक के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा था। सेंसेक्स 27 सितंबर को 85,978.25 अंक के अपने सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। स्वास्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक सुनील न्याति ने कहा, मिडकैप तथा स्मॉलकैप खंड के बेहतर प्रदर्शन के पीछे घरेलू नगदी एक प्रमुख चालक रही है। मुख्य रूप से मिडकैप और स्मॉलकैप कोषों की ओर निर्देशित रिकॉर्ड व्यवस्थित निवेश योजना (एसआईपी) प्रवाह ने इस प्रवृत्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। घरेलू शेयरों के ऊंचे मूल्यांकन के कारण रिकॉर्ड तोड़ तेजी के बाद बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी को हाल के महीनों में भारी गिरावट का सामना करना पड़ा है।

स्मॉलकैप तथा मिडकैप शेयरों के अगले साल के परिदृश्य पर मास्टर कैपिटल सर्विसेज लिमिटेड के चोपड़ा ने कहा, मजबूत घरेलू खपत, सरकारी बुनियादी ढांचे पर खर्च तथा पीएलआई योजना जैसे सुधारों से प्रेरित होकर 2025 में स्मॉलकैप और मिडकैप शेयरों का परिदृश्य आशावादी बना हुआ है।

पोप रोम की मुख्य जेल में आशा का संदेश लेकर पहुंचे

रोम/एपी। पोप फ्रांसिस ने बृहस्पतिवार को रोम के मुख्य कारावास में अपने पवित्र वर्ष का आगाज किया और वह कैदियों के लिए आशा का संदेश लेकर वहां पहुंचे। उन्होंने कैदियों को कैथोलिक चर्च के 25 साल में एक बार होने वाले उत्सव में शामिल किया। इस उत्सव के दौरान लगभग 3.2 करोड़ तीर्थयात्रियों के रोम आने की उम्मीद है। फ्रांसिस अपनी व्हीलचेयर से खड़े हुए और रेबिबिया जेल में चैपल का दरवाजा खटखटाया तथा दहलीज के पार चले गए। उन्होंने क्रिसमस की पूर्व संध्या पर दो रात पहले सेंट पीटर बेसिलिका में की गई अपनी भाव मुद्रा को दोहराया।

बेसिलिका में पवित्र द्वार के उद्घाटन के साथ आधिकारिक तौर पर जुबली वर्ष की शुरुआत हुई। चर्च की लंबे समय से चली आ रही यह परंपरा अब हर 25 साल के अंतराल पर होती है और इसमें तीर्थयात्रा पर रोम आने वाले लोग शामिल होते हैं। फ्रांसिस ने प्रवेश करने से पहले कैदियों से कहा, पहला पवित्र द्वार मैंने क्रिसमस पर सेंट पीटर्स में खोला था। मैं चाहता था कि दूसरा यहीं जेल में हो। उन्होंने कहा, ''मैं चाहता हूं कि हममें से प्रत्येक को यहां, अंदर और बाहर, अपने दिल के दरवाजे खोलने और यह समझने का अवसर मिले कि आशा निराश नहीं करती है।''

दुनिया के चर्चित सितारों ने भारतीय डिजाइनरों के परिधानों में बिखेरा जलवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अंबानी की शादी में साड़ी पहने किम और ख्लो करदाशियां को आप भूले नहीं होंगे? वहीं इस वर्ष अपनी 'ब्रिजर्टन' थीम पार्टी में जेनिफर लोपेज की महारानियों वाले परिधान ने भी पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा था।

साड़ी से लेकर गाउन तक 2024 में गौरव गुप्ता, मनीष मल्होत्रा, सब्यसाची मुखर्जी, फाल्गुनी और शेन पीकॉक जैसे दिग्गज भारतीय फैशन डिजाइनरों ने न सिर्फ बॉलीवुड की नामचीन हस्तियों को अपने परिधानों से सजाया बल्कि हॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्रियों को भी भारतीय परिधानों से रूबरू कराया। कई अंततराष्ट्रीय मंचों पर अपने परिधान के लिए तारीफ पा चुके गुप्ता ने पीटीआई-भाषा' को बताया, इसमें कोई दो राय नहीं कि भारत विश्व में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

सितंबर के महीने में 76वें प्राइमटाइम एमी अवॉर्ड्स में मिंडी कलिंग, रीबल विल्सन और अल्लीसन जैनी, गुप्ता के बनाये परिधानों में नजर आई थीं। वहीं इस महीने की शुरुआत में ब्रिटिश फैशन अवॉर्डस 2024 में 'ब्रिजर्टन' स्टार निकोला कफलान भी गुप्ता की बनाई ड्रेस में गजब ढा रही थी। गुप्ता ने कहा, विश्व पटल पर भारतीय डिजाइनरों के बढ़ते कदम यह दिखाते हैं कि भारतीय परिधानों को लेकर उद्योग जगत का नजरिया बदल रहा है। भारतीय परिधान अब केवल पारंपरिक पहनावे तक ही सीमित नहीं रह गया है बल्कि यह नवाचार, शिल्प कौशल और सांस्कृतिक विरासत को समकालीन सौंदर्यशास्त्र के साथ मिलकर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

सब्यसाची इस वर्ष सुर्खियां बटोरने वाले एक और भारतीय डिजाइनर थे। बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने 'बाफ्टा अवार्ड्स' में सब्यसाची की साड़ी पहनी थी। पुरस्कारों में दीपिका ने एक पुरस्कार प्रस्तुत किया था। वहीं आलिया भट्ट ने 'मेट गाला' में पहली बार कदम रखते हुए सब्यसाची की डिजाइन की हुई एक अन्य ड्रेस पहनी थी।

नेटफ्लिक्स की 'चीफ कॉन्टेंट ऑफिसर' बेला बजरिया ने भी एमी पुरस्कार में सब्यसाची की डिजाइन की हुई साड़ी में अपनी खूबसूरती के

रंग बिखेरे थे। अमेरिकी रियेलिटी टीवी स्टार व बहनों किम और ख्लो करदाशियां ने इस वर्ष जुलाई में भारत में अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के विवाह में मल्होत्रा और तरुण तहिलियानी द्वारा डिजाइन की गई भारतीय साड़ी और लहंगा-चोली पहना था। जेनिफर लोपेज ने 'ब्रिजर्टन' थीम वाले अपने 55वें जन्मदिन की पार्टी में जो गाउन पहना था, उसे जाने-माने डिजाइनर मल्होत्रा ने तैयार किया था।

हाल ही में 'मुफासा: द लायन किंग' के प्रीमियर पर सुपरमॉडल हेदी क्लम के कपड़े डिजाइन करने वाले मल्होत्रा ने कहा कि इन डिजाइनों को बनाने और उन्हें इतना मशहूर होते देखने का हर पल रचनात्मकता और उत्साह से भरा हुआ था। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, फैशन और पॉप संस्कृति पर गहरा प्रभाव डालने वाली हस्तियों के साथ काम करना हमेशा एक अद्भुत अनुभव होता है। इन सबमें एक हस्ती की व्यक्तिगत शैली, कार्यक्रम के सार को समझना और ऐसे परिधान तैयार करना शामिल है जो न केवल लोगों को आकर्षित करें बल्कि उनके व्यक्तित्व के साथ भी मेल खाएं। वहीं फाल्गुनी पीकॉक का कहना है कि उनका ब्रांड निकी मिनाज, बेयोंसे और किम करदाशियां सहित कई नामचीन हस्तियों के लिए कपड़े डिजाइन करने में सबसे आगे है।

हाल ही में सऊदी अरब के रेड सी फिल्म फेस्टिवल 2024' में स्त्री 2' की अभिनेत्री श्रद्धा कपूर के लिए ड्रेस डिजाइन करने वाली डिजाइनर फाल्गुनी ने कहा कि सहकर्मियों को उनके नक्शे-कदम पर चलते देखना उत्साहजनक है। फाल्गुनी पीकॉक ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, हमने 'आइकन' मारिया कैरी को तैयार किया है और बहुत कुछ होने वाला है। यह बहुत अच्छा है कि भारत उस मंच पर है, जहां हम बेयोंसे से लेकर लेडी गागा तक सभी को तैयार करते हैं। यह देखना अच्छा है कि अब सभी ने (अंतरराष्ट्रीय हस्तियों को) तैयार करना शुरू कर दिया है। हमें उन्हें तैयार करते हुए 10 से 15 साल हो गए हैं। अब, हर कोई इस राह पर है।

'मेट गाला', 'ऑस्कर' और 'ग्रैमी' जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में वैश्विक हस्तियों द्वारा भारतीय डिजाइनरों को चुनने के मामले में यह मोड़ कहां से आया? मल्होत्रा ने बताया कि यह एक स्वाभाविक प्रगति है, जो भारतीय फैशन और शिल्प कौशल की समृद्ध कला के प्रति 'बढ़ती प्रशंसा' से प्रेरित है।

चाय, कॉफी पीने से कम होता है सिर और गले के कैंसर का जोखिम

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व में प्रकाशित अध्ययनों की समीक्षा के आधार पर दावा किया गया है कि चाय या कॉफी पीने से सिर, गर्दन, मुंह और गले का कैंसर होने का जोखिम कम होता है।

'कैंसर' पत्रिका में प्रकाशित निष्कर्षों में कहा गया है कि प्रतिदिन तीन या चार कप कॉफी पीने से सिर और गर्दन के कैंसर का खतरा 17 प्रतिशत कम होता है, जबकि एक कप चाय पीने से इसका जोखिम नौ प्रतिशत कम होता है।

पिछले शोधों से पता चला है कि कॉफी और चाय में मौजूद कैफीन जैसे बायोएक्टिव तत्वों में जलन-रोधी 'एंटीऑक्सीडेंट' गुण होते हैं जो बीमारी के जोखिम को कम करने में मदद करते हैं। एक हालिया अध्ययन में यह भी कहा गया है कि सीमित मात्रा में कॉफी पीने से स्वस्थ जीवन जिया जा सकता है।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

आचार विचार में एकरूपता सरल व्यक्तित्व का परिचायक है। कथनी-करनी में भिन्नता दंभी मानस का सूचक है। मात्र सद्विचारों से प्रगति संभव नहीं है और न ही मात्र सदाचार से। सदाचार भी सद्विचार प्रेरित होने चाहिए। जैन धर्म के पारिभाषिक शब्दों में इन्हें सम्यक ज्ञान और सम्यक चारित्र कहते हैं। सद्विचारों की सार्थकता सदाचरण में है। व्यक्ति चाहे कितना भी ज्ञानी हो लेकिन जब तक उसके जीवन में सदाचार का पालन नहीं होगा तब तक वास्तविक प्रगति संभव नहीं है।

एसपी रोड पर चल रहे पाइपलाइन बिछाई का कार्य शीघ्र होगा पूरा

दुकानदारों को जल्द ही रास्ता खुलने की उम्मीद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के सबसे बड़े इलेक्ट्रानिक्स व कम्प्युटर बाजार एसपी रोड के प्रवेश पर महानगरपालिका द्वारा पाइपलाइन बिछाने का कार्य किया जा रहा है। इस निर्माण कार्य के कारण ग्राहकों व वाहनों एसपी रोड में प्रवेश करने में बहुत परेशानी आ रही है। इस संदर्भ में बेंगलूरु इलेक्ट्रॉनिक डीलर्स एसोसिएशन के सदस्यों ने एसपी रोड, नगरथपेट और ओटीपी रोड के जंक्शन पर चल रहे पाइपलाइन बिछावत कार्य का निरीक्षण किया। संस्था के उपाध्यक्ष ललित डाकलिया ने बताया कि सदस्यों ने बीबीएमपी इंजीनियर चंद्रशेखर और ठेकेदार स्वरूप से बातचीत कर एसपी रोड में ग्राहकों और दुकानदारों के प्रवेश के लिए थोड़ा सा पैदल रास्ता खोलने के लिए बात की। इस पर इंजीनियर व ठेकेदार ने इस हफ्ते में एसपी रोड प्रवेश के लिए जगह छोड़ने व पाइपलाइन का संपूर्ण कार्य जनवरी माह के अंत तक पूरा करने का आश्वासन दिया। बीबीएमपी के अधिकारियों ने व्यापारियों से कार्य शीघ्र निपटाने के लिए सहयोग प्रदान करने की अपील की। इस मौके पर एसोसिएशन के अध्यक्ष विशाल वरन्दानी, उदेश राजपुरोहित, रिषिराज सिंह, रविन्द्र सिंह, विशाल बोहरा, नरेश जैन आदि ने बातचीत की।

भैरव धाम के पोष दशम मेले में उमड़े श्रद्धालु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अरसीकेरे। शहर के दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ श्री संकट मोचन पार्श्व भैरव धाम में पुरुषादानीय परमात्मा पार्श्वनाथ भगवान के जन्म एवं दीक्षा कल्याणक निमित्त आयोजित उजमणी स्वरूप त्रिदिवसीय पोष दशम मेले के आयोजन किया गया जिसमें विधिकारक तुषार गुरु ने पार्श्व भैरव महापूजन कराया। सुबह से ही प्रारंभ हुए कार्यक्रम मे पार्श्व इक्तीसा, भक्तांबर पाठ में श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। पार्श्व भैरव भक्त मंडल एवं जैन दोस्ती फेडरेशन ने इस मेले का लाभ लिया। बालोतरा के गायक किशन गोयल व स्थानीय गायक दिलखुश बाफणा ने सुनील पार्टी के सुमधुर संगीत के साथ प्रभु भक्ति की प्रस्तुति दी।

जिनदत्त सेवा मंडल ने किए अनेक मानवसेवी व जीवदया के कार्य

प्रभु पार्श्वनाथ के जन्म एवं दीक्षा कल्याणक मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में जिनदत्तकुशलसूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल द्वारा 23वें तीर्थंकर परमात्मा पार्श्वनाथ के जन्म एवं दीक्षा कल्याणक महोत्सव निमित्त मंडल के रजत जयंती वर्ष कार्यक्रमों के अन्तर्गत मानव सेवा एवं जीवदया के अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। सेवा मंडल ने मंड्या स्थित दृष्टिबाधित एवं मंदबुद्धि बच्चों के आश्रम प्रेरणा ट्रस्ट मेंएक क्लास रूम बनवाने का लाभ लिया गया। अध्यक्ष अरविन्द कोठारी ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री ललित डाकलिया ने बताया कि इस आश्रम में 125 बच्चों से ज्यादा रहते हैं जिन्हें मंडल के सदस्यों के सौजन्य से नाश्ता, भोजन, गर्म कंबल व जरूरत की राशन सामग्री प्रदान की गई। जीवदया कार्यों के अन्तर्गत विभिन्न कबूतर खानों में जीवदया हेतु सदस्यों के सहयोग से शंखेश्वर पार्श्वनाथ कबूतर खाना, राजाजीनगर,जीवदया दान ग्रुप, हलसूर, तुलसी तोटा, अक्कीपेट एवं विभिन्न छोटे बड़े कबूतर खानों में दाना धान भिजवाया गया। पार्श्व उत्सव के विशेष सहयोगी नरेन्द्र पारख के साथ संस्था के उपाध्यक्ष राकेश डाकलिया, कोषाध्यक्ष पृथ्वीराज श्रीश्रीमाल, सहमंत्री धर्मेन्द्र संकलेचा, बहादुर कांकरिया, जीवदया संयोजक भरत कोठारी, जितेन्द्र नाहर, महाबल गुलेच्छा आदि भी उपस्थित थे।

जीवन में शांति के लिए साधनों को कभी साध्य नहीं बनाना चाहिए : विनयमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गणेश बाग में विराजित शिविराचार्यश्री विनयमुनिजी खींचन ने अपने प्रवचन में प्रज्ञापना सूत्र के विशेष पद का वर्णन करते हुए क्रोध, मान, माया, लोभ की विवेचना की गई। संतश्री ने कहा कि क्रोध प्रीति को तोड़ता है, मान, विनय गुण का नाश करता है। माया मित्रता को तोड़ती है और लोभ सभी आत्मिक गुणों का नाश करता है। क्रोध और मान उफनते हुए दूध की तरह होते है। यदि थोड़ा सा क्षमा का पानी डाला जाए तो क्रोध व मान शांत हो सकते है, परंतु माया और लोभ को शांत करने के लिए बहुत ही आत्मिक शक्ति और पुरुषार्थ की जरूरत पड़ती है। प्रज्ञापना सूत्र में चार कारण से इन चारों कषायों में बढ़ोतरी होती है। यह चारों कारण बाहरी है, प्रथम जमीन, दूसरा मकान, तीसरा शरीर और चौथाआधुनिक साधन और वैभव ऐश्वर्य। सूत्र कार कहते हैं साधनों को कभी साध्य नहीं बनाना चाहिए। जीवन जीने के जो साधन है वह साधन मात्र साधन ही होते हैं। जैसे थाली में रखा हुआ भोजन मात्र खाने के लिए होता है। परंतु सोने की थाली भी खाने योग्य नहीं होती, इसलिए सबसे पहले लोभ को तोड़ने की शिक्षा भगवान ने दी है। लोभ जब टूटता है तब आत्मा में संतोष का जन्म होता है। संघ प्रवक्ता राजू सकलेचा ने सभी का स्वागत किया। संघ महामंत्री संपतराज मांडोत ने सभी को धन्यवाद दिया।

व्यक्ति के आचार-विचार में हो समन्वय : आचार्यश्री अरिहंतसागर

सुशील धाम में धार्मिक चित्र प्रदर्शनी का हुआ शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के होसूर रोड स्थित सुशील धाम में चल रहे उपधान तप में प्रवचन के दौरान आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी म.सा. ने कहा कि व्यक्ति के जैसे विचार हो उसके अनुरूप आचार भी आवश्यक है, क्योंकि सदाचार सद्विचारों का पूरक है और सद्विचार सदाचार का आधार है। इस तरह आचार और विचार दोनों परस्पर जुड़े हुए है। उन्होंने कहा कि आचार विचार में एकरूपता सरल व्यक्तित्व का परिचायक है। कथनी–करनी में भिन्नता दंभी मानस का सूचक है। मात्र सद्विचारों से प्रगति संभव नहीं है और न ही मात्र सदाचार से। सदाचार भी सद्विचार प्रेरित होने चाहिए। जैन धर्म के पारिभाषिक शब्दों में इन्हें सम्यक ज्ञान और सम्यक चारित्र कहते हैं। सद्विचारों की सार्थकता सदाचरण में है। व्यक्ति चाहे कितना भी ज्ञानी हो लेकिन जब तक उसके जीवन में सदाचार का पालन नहीं होगा तब तक वास्तविक प्रगति संभव नहीं है। उपदेश का भी अन्य व्यक्ति पर प्रभाव तभी पड़ेगा जब स्वयं के जीवन में उन बातों का आचरण हो।

उपधान तप व्यवस्थापक कल्याण मित्र परिवार के अशोक सेठ ने बताया कि सुशील धाम तीर्थ परिसर में चल रहे उपधान तप के अंतर्गत रविवार को ज्ञान प्रदर्शनी का उद्घाटन तीर्थ निर्माता भंवरीदेवी घेवरचंद सुराणा परिवार ने किया। प्रदर्शनी में तीन खंड है जिसमें भगवान महावीर स्वामी के जीवन चरित्रों को दर्शाते कलात्मक चित्र, ज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले महान पूर्वाचार्यों की परिचायक प्रतिकात्मक पेंटिंग्स और शास्त्रों के शोध एवं अनुसंधान में कार्यरत संस्था गीतार्थ गंगा द्वारा विविध विषयों पर प्रकाशित 300 से अधिक पुस्तकें प्रदर्शित हैं। यह प्रदर्शनी 2 फरवरी को उपधान तप के समापन पर आयोजित होने वाले मोक्ष माला समारोह तक रहेगी। जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर श्री पार्श्वनाथ भगवान के जन्म एवं दीक्षा कल्याणक के उपलक्ष्य में पार्श्वनाथ भगवान के जीवन चरित्र का प्रदर्शन, मंदिर में अभिषेक, अंगरचना, पुष्पों की सजावट, दीपकों की रोशनी, रंगोली, संध्या भक्ति आदि विशिष्ट आयोजन किए गए।

मानसिक संतुलन है अत्यन्त महत्वपूर्ण : डॉ. सुयशनिधि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जयगच्छीय जैन संत डॉ. पदमचंद्र महाराज की सुशिष्याएं जैन समणी डॉ. सुयशनिधिजी एवं डॉ. सुयोगनिधिजी के पावन सान्निध्य में जेपीपी. जैन समणी सेंटर में पंच दिवसीय जैन अणुप्पेहा ध्यान योग साधना शिविर का उदघाटन हुआ।

डॉ. समणी ने कहा कि हर एक व्यक्ति अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त करने का प्रयास करता है परंतु परिस्थितिवश नहीं कर पाता है। आधुनिक जीवनशैली में तनाव, चिंता और अवसाद जैसी मानसिक समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं, इसका मुख्य कारण है कि हम अपने मन की देखभाल पर ध्यान नहीं देते। ठीक उसी तरह जैसे शरीर को स्वस्थ रखने के लिए व्यायाम और पोषण की आवश्यकता होती है, मन को भी ध्यान, आत्मचिंतन और सकारात्मक वातावरण की जरूरत होती है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए डॉ. पदमचंद्र महाराज द्वारा प्रतिपादित जैन अणुप्पेहा ध्यान योग साधना को जन जन तक पहुंचाने का अथक परिश्रम किया जा रहा है।

परमात्मा के नाम सुमिरन मात्र से ही मंगल ही मंगल होता है : स्वामीश्री व्यासानंद

अग्रसेन भवन में श्रीकृष्ण जन्म प्रसंग पर बटी मिठाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय संतमत परिवार प्रचार समिति के तत्वावधान में जयनगर स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में चल रही श्रीमद भागवत कथा सप्ताह ज्ञानयज्ञ के चौथे दिन व्यासपीठ से सदगुरु महर्षि मेंहीँ महाराज के शिष्य स्वामी व्यासानंदजी महाराज ने कहा कि मनुष्य जब से जन्म लेता है। मन, वचन और कर्मों से अच्छे और बुरे दोनों तरह कर कार्य करता है और उन्हीं कर्मों के हिसाब से फल भोगता है। अगर अच्छे फल की प्राप्ति करनी है तो अपने कर्म का हिसाब रखना पड़ेगा और पुण्यात्मा अपने पुण्य का देवदूत के रूप दर्शन करता है। परमात्मा के नाम सुमिरन भर से ही दसों दिशाओं से मंगल होता है। जिस प्रकार अमृत के सरोवर में कोई भी किसी भी दशा में कूद पड़े तो उसे अमृत ही प्राप्त होगा ठीक उसी प्रकार भगवान का नाम किसी भी तरह से मुख से निकल जाए तो कल्याण ही होगा। जन्म जन्म के पाप को भगवान का नाम नष्ट कर देता है। गुरुवार को कथा में कथावाचन के बहुत ही मार्मिक तरीके से श्री कृष्ण जन्म की कथा सुनाई। जन्म प्रसंग पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने बधाई गीत गाए, माखन–मिश्री, चॉकलेट्स, मिठाई, फल, पोटलियां और संतमत कैलेंडर बांटे गए। इस मौके पर कथावाचक ने कहा कि भगवान का जन्म संसार को सुखी व खुशहाल करने के लिए होता है। जब जब भगवान पृथ्वीलोक में अवतरित होते है तो पृथ्वी पर हरियाली व खुशहाली छा जाती है ।

जेवाईएस ने आयोजित की देव-गुरु दर्शन तीर्थ यात्रा, यात्री हुए रवाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जैन युवा संगठन(जेवाईएस)एवं सेवा ट्रस्ट के 136 सदस्य परिवार आनंद धाम, आनंद तीर्थ, शनि शिंगणापुर, गुरु गणेश तपोधाम जालना, नेमगिरी जिंतूर, अंतरिक्ष पार्श्वनाथ मंदिर, पद्ममणि तीर्थ पाबल, कात्रज जैन मंदिर आगम मंदिर एवं गुरु गणेश नगर–संभाजीनगर आदि तीर्थ स्थल सहित देव– गुरु दर्शन तीर्थ यात्रा के लिए अध्यक्ष महावीर मुणोत के नेतृत्व में रवाना हुए। यात्रासंघ के चेयरमैन आतिश धोका ने जानकारी देते हुए बताया कि तीर्थ यात्री 11 से अधिक तीर्थ स्थानों के दर्शन करके पुनः 30 दिसंबर को वापस आएंगे। मंत्री नीरज कटारिया ने तीर्थ यात्रा के विभिन्न लाभार्थी परिवारों के सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। उपाध्यक्ष मुकेश सुराना ने बताया कि यात्रा के सहसंयोजक अनिल बंट एवं दीपेश धोका एवं समिति सदस्य अभिषेक खाब्या, दीपक धोका, मनीष चावत, हितेश कांकलिया, अभिषेक बोहरा, आशीष तालेड़ा के श्रम से यह यात्रा आयोजन हुआ। पूर्व अध्यक्ष दिनेश खिंवेसरा, सहमंत्री सुश्रुत चेलावत स कोषाध्यक्ष संतोष डूंगरवाल आदि ने शुभकामनाएं दी।

राजस्थान संघ का स्नेह मिलन व हल्दी गोठ 31 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राजस्थान संघ ट्रस्ट कर्नाटक के तत्वावधान में 31 दिसम्बर को प्रिंसेस श्राइन सभागार में आयोजित हल्दीगोठ सह स्नेह मिलन के संदर्भ में एक बैठक का आयोजन किया गया । बैठक में अध्यक्ष कैलाश संखलेचा ने सभी का स्वागत किया। मंत्री कमल पुनमिया ने हल्दीगोठ सह स्नेह मिलन की जानकारी देते हुए सभी लाभार्थियों चैनराज संकलेचा, मणकचंद सज्ञनराज बोहरा, मांगीलाल नवकारकुमार नाहटा, पवनकुमार पिंकी भंसाली, मनोहरलाल विमलकुमार कटारिया, उत्तमचंद पदमराज रातड़िया, अशोककुमार राहुलकुमार गजानन, गणपतकुमार महेंद्रकुमार छाजेड़, कुंवर राकेश देसरला, गौतमराज रतनीबाई मेहता का धन्यवाद दिया। कोषाध्यक्ष अमित मेहता ने स्नेह मिलन व हल्दी गोठ आयोजन की जानकारी दी।

अनिल संकलेचा, भरत गोटावत,चैनराज सुराणा ने तैयारियों के बारे में बताया। इस मौके पर संघ के अनेक सदस्य उपस्थित थे जिन्हें विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गई। सहमंत्री महावीर मेहता ने उपस्थित सभी सदस्यों को धन्यवाद दिया।

निशुल्क शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर श्रीरामपुरम द्वारा मरियप्पनपाल्या स्थित गायत्री पार्क में निःशुल्क मधुमेह जांच शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 95 लोग लाभान्वित हुए। तेयुप सदस्य जयंतीलाल गांधी, विनोद कोठारी, हरीश पोरवाड़ एवं अनिमेश चौधरी ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

ओगार्ड वारियर्स टीम ने जीता डीडीएच क्रिकेट लीग का खिताब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। शहर के स्पोर्ट्स पार्क में बुधवार को डीडीएच क्रिकेट कमेटी द्वारा आयोजित बॉक्स क्रिकेट लीग 2 में 'ओगार्ड वारियर्स' टीम विजेता बनी। 10 टीम की इस प्रतियोगिता में ओगार्ड वारियर्स एवं गांधीमुथा वारियर्स टीम के बीच फाइनल मैच हुआ जिसमें शानदार प्रदर्शन करते हुए ओगार्ड टीम ने मात्र 3 ओवरों में 52 रन के लक्ष्य को पार कर खिताब को अपने नाम किया तथा प्रायोजक कुन्दनमल गणेशमल परिवार के हाथों ट्रॉफी प्राप्त की। इस टूर्नामेंट में कुल 254 रन बनाकर सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज का खिताब मनसुख गांधीमुथा एवं 6 विकेट लेकर सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज की ट्रॉफी तनिष्क सेठ को मिली। मैच में कमेंट्री संजय सेठ एवं विक्रम मांडोत ने की। प्रतियोगिता में नीलेश जैन एवं चेतन जैन सबका स्वागत किया तथा सचिन संघवी ने सबको धन्यवाद दिया।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com